● वर्ष-2
● अंक-189
रायपुर, शुक्रवार 31 मार्च 2023
● पृष्ठ-6
● मूल्य-3 रु.

।। संगच्छध्वम् संवदध्वम् ।।

समाचार पचीसा

राजनीति का जनपक्षकार

samacharpacheesa@gmailĐcom

इन दिनों

✍ शशांक शर्मा

केंद्र के खिलाफ कांग्रेस सड़क पर

कांग्रेस पार्टी पिछले कुछ महीनों से केंद्र सरकार खासकर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के खिलाफ मुखरता से सड़क की लड़ाई लड़ रही है। पार्टी के प्रमुख नेता राहुल गांधी के खिलाफ सूरत न्यायालय के फैसले के बाद उनकी लोकसभा की सदस्यता को समाप्त करने के निर्णय ने कांग्रेस पार्टी को झकझोर दिया है। दिल्ली से रायपुर तक केंद्र सरकार और संसद के निर्णय के खिलाफ मोर्चाबंदी करने की तैयारी है। रायपुर में भी आज से सत्याग्रह शुरु किया जाएगा। दूसरी ओर प्रदेश में प्रवर्तन निदेशालय के लगातार छापों ने भी प्रदेश सरकार और कांग्रेस पार्टी को परेशान कर रखा है। आज की स्थिति में कांग्रेस पार्टी को यह समझ में नहीं आ रहा है कि वह केंद्र सरकार और प्रधानमंत्री के खिलाफ आंदोलन करें या केंद्र की एजेंसी ईडी के खिलाफ। राजनीतिक पंड़ितों का मानना है कि राहुल गांधी प्रकरण से कांग्रेस पार्टी को फायदा मिलेगा। अभी कर्नाटक में चुनाव होने को है और इस परिस्थिति के फायदे नुकसान का परीक्षण वहां हो जाएगा। हालांकि कि कर्नाटक में लगातार दो बार सरकार नहीं बनती है, इसलिए जो परिणाम आएगा, उससे राहुल गांधी प्रकरण का असर पता लगाना मुश्किल होगा। अगर भारतीय जनता पार्टी दोबारा कर्नाटक में जीतकर आती है तब तो यह तय होगा कि कांग्रेस पार्टी के आंदोलन का और केंद्र सरकार के लोकतंत्र विरोधी होने के नारों का कोई असर नहीं पड़ा। यही हाल छत्तीसगढ़ का भी है छत्तीसगढ़ में भूपेश बघेल सरकार की स्थिति अच्छी मोटे तौर पर देखे तो प्रदेश में सरकार के खिलाफ कोई माहौल नहीं है। दूसरी ओर भूपेश सरकार छत्तीसगढ़िया वाद के भावनात्मक मुद्दे पर सवार होकर किसानों को खुश करने का निर्णय ले रही है। उनसे कांग्रेस पार्टी को सत्ता में लौटने का विश्वास है इसलिए छत्तीसगढ़ के विधानसभा चुनाव में कम से कम राहुल गांधी प्रकरण का कोई असर नहीं होगा। लेकिन ईडी की कार्रवाई जिस गति से चल रही है, वह कांग्रेस को फायदा भी पहुंचा सकती है और नुकसान भी। पिछले कुछ चुनावों में यह देखने में आया है कि भ्रष्टाचार और विकास चुनावी मुद्दे तो बनते है लेकिन यह चुनाव के परिणाम को प्रभावित नहीं कर रहे हैं। मतदाता पर भ्रष्टाचार और विकास जैसे मुद्दों के बजाए भावनात्मक मुद्दे ज्यादा असरकारी होते हैं। अगर ईडी की कार्रवाई से भूपेश सरकार के प्रति ग्रामीण लोगों की सहानुभूति बन गई तो इसका फायदा कांग्रेस को मिल सकता है। रही बात राहुल गांधी के खिलाफ हुई कार्रवाई के लिए कांग्रेस के आंदोलन का तो यह मामला न्यायालयीन प्रक्रिया से उपजा है, इसलिए इसका समाधान भी न्यायालयीन प्रक्रिया से होगा। एक महीने की मोहलत उच्च न्यायालय में अपील दायर करने के लिए मिली है, उस पर पार्टी को ज्यादा सोचना चाहिए।

ईडी की हिरासत में अधिकारी-कारोबारी!

28-29 को जिनके ठिकानों पर छापे मारे उन्हें पूछताछ के लिए बुलाने की खबर

रायपुर। छत्तीसगढ़ में पिछले दो दिनों से ईडी की कार्रवाई जारी है। इस जांच में ईडी के हाथ कई बड़े कारोबारियों और अधिकारियों से महत्वपूर्ण दस्तावेज हाथ लगे है। चर्चा है कि कुछ कारोबारियों व अधिकारियों को हिरासत में भी लिया गया है जिन्हें आज कोर्ट में पेश करने की अटकलें थी, देर शाम तक किसी को कोर्ट में पेश नहीं किया गया है, हालांकि इसे लेकर कोर्ट परिसर में हलचलें देखीं गई। खबर मिली कि हिरासत में लिए गए किसी अधिकारी की तबियत अचानक बिगड़ गई है, जिसकी जांच के लिए डाक्टरों की टीम ईडी दफ्तर पहुंची इस कारण उन्हें गुरुवार की शाम उन्हें अदालत में पेश नहीं किया जा सका।

ईडी ने किसी सूचना की पुष्टि नहीं कि है लेकिन इस बात की जानकारी मिली है कि पिछले दो दिनों के दौरान रायपुर, भिलाई सहित प्रदेश के अनेक ठिकानों पर मारे गए छापे में से 16 लोगों को पूछताछ के लिए रायपुर स्थित ईडी कार्यालय बुलाया गया था। इनमें से कुछ को हिरासत में लेकर ईडी के अधिकारी न्यायालय पहुंचने वाले थे। खबर यह भी है कि ईडी के चंगुल में फंसे अधिकारी दिल्ली के बड़े वकीलों को अपनी पैरवी के लिए बुलाया है, जो आज कोर्ट में हाजिर हो सकते हैं।

ईडी की सक्रियता को देखकर राजनीतिक हलकों में भी हड़कंप मचा हुआ है। दिनभर कयासों का बाजार गर्म था और अधिकारी से लेकर राजनेता फोन करके किनको ईडी ने हिरासत में लिया है

इसकी जानकारी ले रहे थे। राजनेताओं के खिलाफ ईडी की कार्रवाई के विरोध में कांग्रेस पार्टी के कार्यकर्ता लगातार धरना प्रदर्शन कर रहे हैं। मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने भी ईडी की कार्रवाई को राजनीति से प्रेरित बताया है।

अभी तक इन ख़बरों की पुष्टि नहीं की है। अधिक जानकारी के लिए लगातार सूत्रों को खंगाला जा रहा है। और पूरे देश के मीडिया घरानों की नज़र ईडी की कार्रवाई पर टिकी हुई है। ईडी ने जिन लोगों के यहां छापेमारी की थी वहां अधिकांश जगहों पर जांच पूरी होने की जानकारी आ रही है। ख़बर है कि ईडी ने 16 लोगों को पूछताछ करने के लिए बुलाया है।

सूत्र ये बताने से भी नहीं चूक रहे है कि किसी की भी गिरफ्तारी और कोर्ट पेशी की मंशा ईडी की नहीं है। मीडिया के हलकों से गिरफ्तारी और कोर्ट पेशी की जमकर चर्चा होने के कारण सभी लोगों का बयान लिए जाने में और विलंब हो रहे है अधिकांश लोगों के कल भी बयान लिये जाने के संकेत है।

बता दें कि छत्तीसगढ़ में ईडी (प्रवर्तन निदेशालय) ने बुधवार को तड़के शराब और होटल कारोबारियों पर छापे मारे थे. बड़े उद्योगपति कमल सारडा, कोल परिवहन और जमीन के कारोबार से जुड़े लोगों और कुछ अधिकारियों पर छापे के बाद यह दूसरा दिन है. इन छापों के बाद छत्तीसगढ़ में मुख्यमंत्री भूपेश बघेल द्वारा जताई गई आशंका की चर्चा तेज हो गई है, जिसमें उन्होंने कहा था कि चुनाव आते-आते छापे और बढ़ेंगे.

ईडी की कई टीमों ने बुधवार को रायपुर मेयर एजाज ढेबर, ढेबर के बड़े भाई अनवर ढेबर, शराब कारोबारी अमोलक सिंह भाटिया, बलदेव सिंह भाटिया, पप्पू बंसल, विनोद बिहारी आदि लोगों के यहां ईडी ने सुबह-सुबह छापेमारी शुरू की है. इनमें ढेबर परिवार के यहां पहले इनकम टैक्स डिपार्टमेंट का छापा पड़ चुका है, जिसके आधार पर ही ईडी द्वारा आगे जांच की बात कही जाती है. इन छापों के बाद प्रदेश में एक बार फिर राजनीति गरमाने के आसार हैं, क्योंकि ईडी की कार्रवाई में कुछ नेताओं को भी निशाना बनाने की चर्चा है. बुधवार शाम तक शराब कारोबार और प्लेसमेंट एजेंसी चलाने वाले कई कारोबारियों के यहां छापे पड़ चुके थे.

ईडी ने सौम्या चौरसिया और समीर बिश्नोई के विरुद्ध मामला दर्ज करने सरकार को पत्र लिखा

छत्तीसगढ़ में प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) बीते कुछ महीनों से खासी एक्टिव है। 28 और 29 मार्च को लगातार दो दिन जांच एजेंसी की टीम ने नेताओं-अफसरों और कारोबारियों के यहां दबिश दी। अब ईडी ने राज्य सरकार को पत्र लिखकर सीएम बघेल की उप सचिव सौम्या चौरसिया और निलंबित अधिकारी समीर बिश्नोई के खिलाफ भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम के तहत केस दर्ज करने का आग्रह किया है। राज्य सरकार को भेजा गया यह पत्र दोनों ही अधिकारियों के खिलाफ ईडी की कार्रवाई का ब्योरा देते हुए संपत्ति का खुलासा करता है। प्रवर्तन निदेशालय का यह पत्र प्रदेश के पुलिस चीफ़ और सामान्य प्रशासन के सचिव को संबोधित है। यह पत्र 24 मार्च की तारीख़ को भेजा गया है। इस पत्र में लिखा गया है कि सौम्या चौरसिया और समीर बिश्नोई के विरुद्ध ईडी ने कोयला घोटाला मामले में कार्रवाई की। सौम्या चौरसिया इस पूरे कार्टेल की सबसे अहम किरदार और सबसे प्रभावशाली कड़ी थीं। ईडी के पत्र में दोनों अफसरों (सौम्या और समीर बिश्नोई) की संपत्तियों का जिक्र है।

रामनवमीं के दिन नवरात्रि के दौरान बोए गए ज्वारे को विर्सजित किया जाता है। प्रदेश में बच्चे, युवा व महिलाएं शरीर में सांग भेदकर जुलूस रुप में ज्वारे के विर्सजन के लिए निकले।

कोई दल भ्रष्टाचार से अछूता नहीं- सिंहदेव

अंबिकापुर। छत्तीसगढ़ के स्वास्थ्य मंत्री टीएस सिंहदेव ने प्रदेश में लगातार हो रही ईडी की कार्रवाई को लेकर सारी पार्टियों को कटघरे में खड़ा कर दिया है। उन्होंने कहा कि, भ्रष्टाचार से कोई भी दल अछूता नहीं है, लेकिन ईडी की 95 फीसदी कार्रवाई सिर्फ विपक्ष पर ही की जा रही है। सिंहदेव ने कहा कि दुनिया में बहुत सारी चीजें ऐसी होती हैं, जो भ्रष्टाचार के दायरे में आती हैं, लेकिन उसको साबित कर पाना संभव नहीं होता है। उन्होंने कहा कि, कमी सिर्फ एक तरफ ही है, बाकी हम सब क्या दूध के धुले हैं। सिंहदेव रामनवमी के अवसर पर अंबिकापुर पहुंचे हुए हैं।

राम मंदिर में आयोजित राम जन्मोत्सव समारोह में शामिल होने के बाद सिंहदेव ने मीडिया से कहा कि, बार-बार भ्रष्टाचार की बात उठती है। ये किसी दल, समूह या व्यक्ति तक सीमित नहीं है। इसे हम रोज एक तरह से देखते हैं, लेकिन जब सबूत करने की बात आती है तो हम सब लाचार होते हैं। अगर कोई संवैधानिक एजेंसी, जिसका जांच करने का काम है। वह किसी एक

समूह के विरूद्ध ज्यादा कार्रवाई करती दिखती है। कोई भी राजनीतिक दल भ्रष्टाचार से बचा नही है, फिर 95 प्रतिशत कार्रवाई एक ही दल के लोगों पर क्यों हो रही है।

मंत्री टीएस सिंहदेव ने सवाल उठाया कि क्या बाकी जगह भ्रष्टाचार नहीं हो रहा है? क्या बाकी जगह एक नंबर, दो नंबर पैसों की जो बात की जाती है, वह नहीं हो रहा है। कहीं न कहीं, कोई भी दल भ्रष्टाचार के स्पर्श से से आ जाते हैं। इसलिये कहा जाता है कि ईडी का इस्तेमाल राजनीतिक रूप के किया जा रहा है। अगर हर सरकार पर कार्रवाई हो, तो ये सवाल नहीं उठेंगे। कर्नाटक में हम सुनते हैं कि वहां 40 फीसदी की सरकार चल रही है।

नान घोटाले पर क्यों नहीं हुई ईडी की कार्रवाई : सिंहदेव ने यह भी कहा कि, छत्तीसगढ़ में हमने 36 हजार करोड़ के नान घोटाले की बात सुनीं। 3 करोड़ 62 लाख रुपये नगद कार्यालयों से प्राप्त हुए। ये सबूत है। क्या ईडी ने उस पर कार्रवाई की? अगर उसमे कार्रवाई नहीं की गई और वर्तमान में किया जा रहा है। अगर कमी है, मैं उससे इंकार नहीं कर रहा हूं, हो सकता है कमी हो। अगर है तो वो भी सामने आना चाहिये, लेकिन जब सिर्फ एक विशेष दल पर कार्रवाई हो रही है।

प्रमुख समाचार

अफसरों पर सख्ती, छह महीने की सैलरी से ज्यादा कहीं निवेश किया हो तो बताएं

नई दिल्ली। केंद्र सरकार ने देशभर के आईएएस, आईपीएस और आईएफएस अफसरों को लेकर बड़ा आदेश जारी किया है। सरकार ने ऐसे सभी अफसरों से जानकारी मांगी है जिन्होंने अपने छह महीने के मूल वेतन से अधिक शेयर, स्टॉक या कहीं अन्य निवेश किया है। कार्मिक मंत्रालय ने इसको लेकर जानकारी तलब की है। यह सूचना एआईएस या अखिल भारतीय सेव नियम, 1968 के नियम 16 (4) के तहत उनके द्वारा साझा की जाने वाली समान जानकारी के अतिरिक्त है। ये नियम तीन अखिल भारतीय सेवाओं जिसमें भारतीय प्रशासनिक सेवा , भारतीय पुलिस सेवा और भारतीय वन सेवा के सदस्यों पर लागू होते हैं। कार्मिक मंत्रालय की ओर से जारी आदेश में लिखा गया है, अखिल भारतीय सेवाओं के सदस्यों के संबंध में किसी भी स्टॉक, शेयर या अन्य निवेश आदि में लेन-देन पर नजर रखने के लिए प्रशासनिक अधिकारियों को सक्षम करने की दृष्टि से, यह निर्णय लिया गया है। सभी केंद्र सरकार के सचिवों को जारी आदेश में कहा गया है कि स्टॉक, शेयर या अन्य निवेश आदि में कुल लेनदेन एक वर्ष के दौरान सरकारी कर्मचारी के छह महीने के मूल वेतन से अधिक होने पर प्रत्येक वर्ष निर्धारित प्राधिकारी को संलग्न प्रोफार्मा में जानकारी दें।

कोरोना के बढ़ते मामलों को लेकर यूपी में अलर्ट, अब की जाएगी जीनोम सिक्वेंसिंग

लखनऊ। उत्तर प्रदेश में कोरोना वायरस संक्रमण के बढ़ते मालमों से बचने के लिए अब

जीनोम सिक्वेंसिंग कराई जाएगी। जिनोम सिक्वेंसिंग कराए जाने को लेकर निर्देश जारी कर दिए है। कोरोना वायरस संक्रमण के लिए की जाने वाली सिक्वेंसिंग के सैंपलों को केजीएमयू भेजा जाएगा। उत्तर प्रदेश के कुछ जिलों में कोविड-19 के मामलों में बढ़ोतरी देखने को मिल रही है। इस बढ़ोतरी को देखते हुए अब राज्य सरकार ने जीनोम सिक्वेंसिंग कराने के निर्देश जारी कर दिए है। राज्य सरकार के मुताबिक सरकार ने कोरोना वायरस संक्रमण के मामलों में हो रही आंशिक वृद्धि के मद्देनजर ये फैसला किया है कि अग्रिम मोर्चे यानी सभी फ्रंटलाइन वर्कस को सतर्क रहना होगा। इसके तहत अग्रिम पंक्ति के सभी कर्मचारियों और निजी एवं सरकारी अस्पतालों को सतर्क रहने तथा सभी नमूनों की जीनोम सीक्वेंसिंग कराने के निर्देश दिए गए है। इससे साफ है कि योगी सरकार ने भी कोरोना मामलों को लेकर फिर से सतर्कता बरतनी शुरू कर दी है।

अमृतपाल मामलाः पंजाब सरकार ने हिरासत में लिए गए 348 लोग को किया रिहा

चंडीगढ़। पंजाब सरकार ने सिखों की सर्वोच्च धार्मिक संस्था अकाल तख्त को सूचित किया है कि कट्टरपंथी उपदेशक अमृतपाल सिंह के खिलाफ पुलिस कार्रवाई के दौरान हिरासत में लिए गए 360 लोगों में से 348 को अब रिहा कर दिया गया है। अकाल तख्त के जत्थेदार ज्ञानी हरप्रीत सिंह के निजी सचिव जसपाल सिंह ने बृहस्पतिवार को कहा कि राज्य सरकार की ओर से संदेश मिला है कि बाकी लोगों को भी जल्द रिहा कर दिया जाएगा। इस हफ्ते की शुरुआत में अकाल तख्त के जत्थेदार ज्ञानी हरप्रीत सिंह ने पंजाब सरकार को अल्टीमेटम दिया था कि अमृतपाल सिंह और उसके सहयोगियों के खिलाफ पुलिस कार्रवाई के दौरान पकड़े गए सभी सिख युवकों को रिहा कर दिया जाए। जत्थेदार ने पुलिस कार्रवाई के दौरान कुछ लोगों के खिलाफ राष्ट्रीय सुरक्षा कानून के तहत मामला दर्ज करने के लिए राज्य सरकार की निंदा भी की थी। जत्थेदार के अल्टीमेटम से कुछ दिन पहले पंजाब पुलिस ने कहा था कि हिरासत में लिए गए लोगों में से करीब 30 कुख्यात अपराधी हैं जबकि शेष लोगों को जांच के बाद रिहा कर दिया जाएगा।

ललित मोदी ने राहुल गांधी पर जमकर हमला बोला, केस करने की तैयारी

नई दिल्ली। आईपीएल के संस्थापक रहे ललित मोदी ने राहुल गांधी पर जमकर हमला बोला है। ललित मोदी ने

ट्वीट कर राहुल गांधी को कोर्ट में घसीटने की धमकी तक दे डाली है। ललित मोदी ने ब्रिटेन की अदालत में राहुल गांधी के खिलाफ मामला दर्ज करने की धमकी दी है। ललित मोदी ने राहुल गांधी के बयानों पर पलटवार किया है। उन्होंने मोदी सरनेम विवाद में सांसद सीट गंवाने वाले नेता द्वारा भगौड़ा कहे जाने पर आपत्ति जताई है। बता दें कि राहुल गांधी ने वर्ष 2019 में कर्नाटक के कोलार में एक आयोजित की गई चुनावी रैली के दौरान कहा था कि, सभी चोरों का एक ही सरनेम है मोदी। इस मामले पर राहुल गांधी की संसद सदस्यता जा चुकी है। वहीं अब ललित मोदी ने भी उनके खिलाफ सख्त कदम उठाने की धमकी दी है। गौरतलब है कि मनी लॉन्ड्रिंग मामले में ललित मोदी को भगोड़ा घोषित किया गया है। इसके बाद भी ललित मोदी खुद को सामान्य नागरिक ही बता रहे है।

वडोदरा में रामनवमी के मौके पर भड़की हिंसा, पथराव के बाद हुआ तनाव

अहमदाबाद। गुजरात के वडोदरा में राम नवमी के मौके पर सांप्रदायिक हिंसा भड़क गई। इस दौरान शहर में शोभायात्रा निकाली जा रही थी, जिसपर असामाजिक तत्वों ने पथराव कर दिया। इसके बाद इलाके में तनाव की स्थिति पैदा हो गई है। पुलिस ने पथराव होते ही तत्काल एक्शन लेते हुए स्थिति को काबू में किया है। सुरक्षा के लिहाज से इलाके में बड़ी संख्या में पुलिस बल की तैनाती की गई है। पुलिस ने आरोपियों को पकड़ने के लिए जांच शुरू कर दी है। जानकारी के मुताबिक घटना उस समय हुई जब 30 मार्च को रामनवमी के मौके पर शोभा यात्रा का आयोजन किया जा रहा है। इस दौरान फतेपुरा गराना पुलिस चौकी के पास ही जुलूस पर पथराव हो गया। चश्मदीदों के मुताबिक घटना मस्जिद के पास दोनों अखबार आपस में भिड़ गए। तत्काल मौके पर पुलिस बल पहुंचा और मोर्चा संभाला। पुलिस ने आरोपियों को पकड़ने के लिए सीसीटीवी फुटेज खंगालनी शुरू कर दी है। वहीं शोभायात्रा के दौरान किए गए पथराव के बाद मौके पर पुलिस ने शांति बहाल की है। मगर शोभा यात्रा निकाल रहे लोगों को घर भेज दिया गया है। इस पथराव की घटना में किसी के घायल होने की सूचना नहीं है।

लोगों ने 1000 दिन में 13 करोड़ बार साइबर क्राइम पोर्टल की ली मदद

जितेंद्र भारद्वाज

वैश्विक स्तर पर चाहे विकसित या विकासशील, कोई भी राष्ट्र हो, साइबर क्राइम, सभी के लिए एक बड़ी चुनौती के तौर पर सामने आ रहा है। भारत में साइबर अपराध से निपटने और लोगों को इसके खतरों से जागरूक कराने के लिए केंद्रीय गृह मंत्रालय ने अनेक कदम उठाए हैं। इसके मद्देनजर 10 जनवरी 2020 को साइबर अपराध से %समन्वित और व्यापक% तरीके से निपटने के लिए %भारतीय साइबर अपराध समन्वय केंद्र (ढ्ढ4ष्ट)% की स्थापना की गई थी। अब उसके सार्थक नतीजे आने लगे हैं। साइबर क्राइम पोर्टल का लगभग 1000 दिनों में 13 करोड़ से अधिक बार उपयोग किया जा चुका है। इसी से उक्त पोर्टल की विश्वसनीयता और उपयोगिता का पता चलता है। पोर्टल पर अब तक 20 लाख से अधिक साइबर क्राइम की शिकायतें दर्ज की गई हैं। अगर इस संख्या का आंकलन दिनों के हिसाब से करें तो साइबर अपराध को लेकर प्रतिदिन 1826 शिकायतें आई हैं। इस आधार पर ही 40 हजार से अधिक एफआईआर दर्ज हो सकी हैं।

1.33 लाख से अधिक लोगों के साथ हुआ साइबर गबन

देश में साइबर अपराधों की रोकथाम और भारतीय साइबर अपराध समन्वय केंद्र यानी 14सी की कार्यप्रणाली को लेकर मंगलवार को केंद्रीय गृह मंत्रालय में एक समीक्षा बैठक आयोजित की गई। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह की अध्यक्षता में हुई बैठक में एक विस्तृत रिपोर्ट पेश की गई। साइबर वित्तीय धोखाधड़ी को देखते हुए, 1930 हेल्पलाइन नंबर, कार्ड ब्लाक करने जैसे कई सुविधाओं का वन पॉइंट सलूशन प्रदान करता है। इस पर 250 से अधिक बैंक और वित्तीय मध्यस्थ ऑनबोर्ड हो चुके हैं। इसके माध्यम अब तक 1.33 लाख

से अधिक लोगों से साइबर अपराधियों द्वारा गबन किए गए 235 करोड़ रुपये से अधिक की वसूली हुई है। इसके अलावा टॉप 50 साइबर अटैक के मामलों को लेकर सामने आई मोडस ऑपरेंडी पर एक विश्लेषणात्मक रिपोर्ट तैयार की गई है। अमित शाह का कहना था कि साइबर सुरक्षा एक साझा उत्तरदायित्व है। हमें यह सुनिश्चित करने के लिए मिलकर काम करना चाहिए कि हमारी डिजिटल दुनिया, सभी के लिए सुरक्षित और संरक्षित हो। पीएम नरेंद्र मोदी, पहले ही कह चुके हैं कि साइबर सुरक्षा अब केवल डिजिटल दुनिया तक ही सीमित नहीं है, बल्कि यह राष्ट्रीय सुरक्षा का मामला बन गया है।

राष्ट्रीय सुरक्षा कारणों के चलते 500 से अधिक एप बैन

केंद्रीय गृह मंत्रालय में 2017 में साइबर और सूचना सुरक्षा (सीआईएस) प्रभाग बनाया गया था। इसके बाद गृह मंत्री अमित शाह के निर्देशन में 10 जनवरी 2020 को साइबर अपराध से समन्वित और व्यापक तरीके से निपटने के लिए भारतीय साइबर अपराध समन्वय केंद्र (ढ्ढ4ष्ट) की स्थापना की गई। इसके अंतर्गत सात संस्थाएं/प्लेटफॉर्म्स भी लांच किए गए। इनमें नेशनल साइबर क्राइम थ्रेट एनालिटिकल यूनिट, नेशनल साइबर क्राइम रिपोर्टिंग पोर्टल, नेशनल साइबर क्राइम फॉरेंसिक लेबोरेटरी, नेशनल साइबर क्राइम ट्रेनिंग सेंटर, ज्वाइंट साइबर क्राइम इन्वेस्टीगेशन टास्क फोर्स, साइबर क्राइम इकोसिस्टम मैनेजमेंट यूनिट, नेशनल साइबर क्राइम रिसर्च एंड इनोवेशन सेंटर और नेशनल साइबर क्राइम रिपोर्टिंग पोर्टल शामिल हैं। गृह मंत्री अमित शाह ने 17 अगस्त 2022 को एनएएफआईएस की शुरुआत की है। इसके तहत अब तक एक करोड़ (1,05,80,266 रिकार्ड्स) से अधिक रिकॉर्ड को इंटीग्रेट किया जा रहा है। 31 जनवरी 2023 तक फिंगरप्रिंट्स को अब तक 23,378 बार चेक किया जा चुका है।

क्राइम रोकने और जांच कार्य में मिल रही मदद

क्राइम एंड क्रिमिनल ट्रैकिंग नेटवर्क एंड सिस्टम यानी सीसीटीएनएस का भरपूर इस्तेमाल हो रहा है। क्राइम रोकने और जांच कार्य में इस सिस्टम से बड़ी मदद मिल रही है। देश के 16,625 पुलिस थानों में सीसीटीएनएस लागू कर दिया गया है। मौजूदा स्थिति में 99.9% पुलिस स्टेशन (16,597) सीधे सीसीटीएनएस पर सौ फीसदी केस दर्ज कर रहे हैं। इसके राष्ट्रीय डाटाबेस में अब तक 28.98 करोड़ पुलिस रिकॉर्ड हुए हैं। नागरिकों की ओर से 12.82 करोड़ से अधिक सेवा अनुरोध प्राप्त हुए हैं। इनमें से 12.35 करोड़ अनुरोधों का राज्य पुलिस द्वारा निपटान किया गया है। इसके साथ ही इंटर-ऑपरेबल क्रिमिनल जस्टिस सिस्टम (आईसीजेएस) का उपयोग किया जा रहा है। इसके मुख्य स्तंभों को गृह मंत्रालय द्वारा स्वतंत्र साइलो के रूप में विकसित किया गया था, जैसे कि सीसीटीएनएस के रूप में ई-पुलिस, ई-कोर्ट, ई-जेल, ई-फोरेंसिक और ई-अभियोजन आदि। ई-पुलिस, सीसीटीएनएस के रूप में सौ फीसदी पुलिस स्टेशनों में लागू है। ई-फोरेंसिक एप्लीकेशन को 117 फोरेंसिक लैब में लागू किया गया है। 1300 जेलों में ई-जेल सिस्टम लागू है।

अतिक्रमण, अवैध निर्माण पर लगातार कार्यवाही

पोड़ीबहार आम बाड़ी, दर्री लाटा, दादर, कोरबा में हटाया गया अतिक्रमण

■ **अवैध कब्जे के दर्जनभर प्रयासों को किया गया विफल**

कोरबा। आयुक्त श्री प्रभाकर पाण्डेय के मार्गदर्शन में नगर निगम कोरबा के अतिक्रमण दस्ते द्वारा निगम क्षेत्र में किए जाने वाले अतिक्रमण अवैध कब्जे व नियम विरूद्ध एवं अवैध निर्माण पर लगातार कार्यवाही की जा रही है। आयुक्त श्री पाण्डेय ने आमजन से पुन: अपील करते हुए कहा है कि वे अतिक्रमण अवैध कब्जा व नियम विरूद्ध निर्माण कार्य न करें तथा निगम की कार्यवाही से होने वाली असुविधा से बचें।

नगर पालिक निगम कोरबा क्षेत्र में किसी भी प्रकार के अतिक्रमण, अवैध कब्जे तथा अवैध निर्माण पर अधिकारियों द्वारा सतर्क नजर रखी जा रही है, साथ ही प्रतिदिन ऐसे प्रकरणों पर ठोस कार्यवाही भी हो रही है। पोड़ीबहार स्थित निगम के आम बाड़ी में कतिपय लोगों द्वारा पोल फेंसिंग व बाउण्ड्रीवाल के माध्यम से अवैध कब्जे का प्रयास किया जा रहा था, जिसको संज्ञान में लेते हुए आयुक्त श्री पाण्डेय ने इस पर त्वरित कार्यवाही के निर्देश अतिक्रमण प्रभारी को दिए। निगम के अतिक्रमण प्रभारी योगेश राठौर ने अपनी टीम के साथ मौके पर पहुंचकर उक्त अतिक्रमण को हटाया तथा संबंधितों को नोटिस भी जारी की। इसी प्रकार दर्री, लाटा, दादर आदि क्षेत्रों में भी अतिक्रमण के विरूद्ध कार्यवाही की गई व अतिक्रमणकारियों को नोटिस दी गई। शहर के फुटपाथ,

बस स्टाप व सड़क के किनारे ठेले दुकान लगाकर अतिक्रमण कर, आवागमन में बाधा उत्पन्न करने वालों पर निगम के अतिक्रमण दस्ते की सतर्क नजर बनी हुई है तथा इस पर भी कार्यवाही की जा रही है। इसी कड़ी में घंटाघर चौपाटी के पास बने यात्री प्रतीक्षालय के सामने अवैध रूप से ठेला लगाने वालों पर कार्यवाही की गई, उन्हें वहाँ से हटाकर यात्री प्रतीक्षालय के सामने की जगह को अतिक्रमण मुक्त कराया गया, साथ ही उन्हें कड़ी चेतावनी दी गई कि वे पुन: अतिक्रमण का प्रयास न करें अन्यथा सख्त कार्यवाही होगी। इसी प्रकार पंचमुखी हनुमान मंदिर ब्रम्हवाटिका के समीप बिना अनुमति निर्माण कार्य किया जा रहा था, अतिक्रमण दस्ते ने मौके पर पहुंचकर उक्त अवैध निर्माण को भी रोक दिया है।

मल्टीलेवल पार्किंग रोड से हटाया अवैध कब्जा

सुनालिया चौक से मल्टीलेवल पार्किंग की ओर जाने वाले मुख्य मार्ग पर सड़क के किनारे बांस, बल्ली, टेंट एवं चिकन सेंटर का फ्लैक्स बोर्ड लगाकर अवैध कब्जा किया गया था, इसकी जानकारी होते ही आयुक्त श्री प्रभाकर पाण्डेय ने त्वरित कार्यवाही करने के निर्देश अतिक्रमण प्रभारी को दिए, अतिक्रमण दस्ते ने मौके पर पहुंचकर कार्यवाही करते हुए उक्त अतिक्रमण को भी हटाया।

सड़कों पर डम्प वाहनों पर कार्यवाही

आयुक्त श्री प्रभाकर पाण्डेय के निर्देश पर निगम के अतिक्रमण दस्ते द्वारा टी.पी.नगर चौक से स्टेडियम चौक तक के मुख्य मार्ग में डम्प किए गए वाहनों व अनियंत्रित रूप से खड़े किए गए वाहनों को हटाने की कार्यवाही की गई है, साथ ही संबंधितों को कड़ी चेतावनी दी गई कि वे सड़कों पर वाहनों की डम्पिंग न करें और न ही अनियंत्रित रूप से वाहनों को खड़ा करें अन्यथा वाहन जप्ती की कार्यवाही होगी। यहाँ उल्लेखनीय है कि इसके पूर्व सी.एस.ई.बी.चौक से स्टेडियम चौक तक के सम्पूर्ण मुख्य मार्ग पर भी कार्यवाही करते हुए वाहनों को हटवाया गया था तथा उक्त मुख्य मार्ग को अतिक्रमण मुक्त कराया गया था, वहीं नए बस स्टैण्ड में भी डम्प वाहनों को हटवाने की कार्यवाही की गई थी।

अधूरे भवनों का उद्घाटन कर छिपा रहे नाकामियां : विकास मरकाम

नगरी। भाजपा अनूसूचित जनजाति मोर्चा के प्रदेश अध्यक्ष विकास मरकाम ने प्रेस विज्ञप्ति जारी कर सांकरा और गट्टासिल्ली में रीपा योजना के तहत अधूरे भवन के उद्घाटन को दुर्भाग्यपूर्ण बताया। उन्होंने स्थानीय विधायक डॉ.लक्ष्मी ध्रुव को घेरते हुए कहा कि कार्यकाल के साढ़े चार वर्ष में विधायक महोदया ने क्षेत्र की जनता को ठगने और झांसा देने के अलावा कोई काम नही किया है। उन्होंने कांग्रेस सरकार पर हमला बोलते हुए कहा कि ऐसी हरकत करके सरकार अपनी नाकामी पर पर्दा डालना चाहती है लेकिन इनकी नाकामी छुपने वाली नही है।

विधायक को चुनौती देते हुए कहा कि लक्ष्मी ध्रुव का कार्यकाल सबसे भ्रष्ट

विकास मरकाम ने विधायक को चुनौती दी है कि एक भी पूर्ण कार्य साढ़े चार वर्ष में लक्ष्मी ध्रुव गिना दें जिसका शिलान्यास और उद्घाटन उन्होंने स्वयं किया हो। उन्होंने कहा कांग्रेस सरकार जान चुकी है कि उनके पैरों तले जमीन नही है इसलिए दिखावे के लिए और क्षेत्र की जनता को गुमराह करने के लिए निर्माणाधीन भवनों का ही लोकार्पण कर रही है। यदि चार वर्ष नेक नियत से यह सरकार कार्य करती तो ऐसे ओछी राजनीतिक हरकत करने की जरूरत नहीं पड़ती।

विकास मरकाम ने लक्ष्मी ध्रुव के कार्यकाल को विधानसभा का सबसे भ्रष्टतम कार्यकाल बताते हुए कहा क्षेत्र में माफियाओं, बाहुबलियों के साथ मिलकर खूब भ्रष्टाचार किया जा रहा हैं। क्षेत्र की जनता मूलभूत सुविधाओं की मांग को लेकर सड़क पर है। क्षेत्र का विकास अवरूद्ध है। जनता आक्रोशित है इसलिए दबाव में आकर अधूरे भवनों का ही लोकार्पण कर रही है। क्षेत्र की जनता ऐसे धोखेबाज, भ्रष्ट और विकास विरोधी सरकार को सबक सिखाने की प्रतीक्षा में है।

डेंगू मलेरिया के खिलाफ स्वास्थ्य विभाग ने बाजारों में छेड़ी मुहिम

■ **हल्बी-गोंडी बोली में गीतों के जरिए किया जा रहा जागरूक**

लोहंडीगुड़ा। डेंगू और मलेरिया के प्रति बस्तर जिले के ग्रामीणों को जागरूक करने के लिए स्वास्थ्य विभाग व्यापक अभियान चला रहा है। हल्बी और गोंडी बोली के गीतों तथा रैलियों के जरिए लोगों में जागरूकता लाई जा रही है। साप्ताहिक बाजारों में शिविर लगाकर ग्रामीणों के स्वास्थ्य की जांच की जा रही है और उन्हें दवाएं दी जा रही हैं।

राज्य शासन द्वारा चलाए जा रहे मलेरिया मुक्त छत्तीसगढ़ अभियान के तहत कलेक्टर चंदन कुमार के निर्देश पर और मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. आरके चतुर्वेदी के मार्गदर्शन में गांव गांव में लोगों को जागरूक करने के लिए मुहिम चलाई जा रही हैं। इसी क्रम में लोहंडीगुड़ा स्वास्थ्य विभाग द्वारा विकासखंड लोहंडीगुड़ा के ग्राम बिनता के हाट बाजार में स्वास्थ्य जागरूकता रैली निकाली गई। रैली में सीएमओ डॉ. आरके चतुर्वेदी एवं खंड चिकित्सा अधिकारी लोहंडीगुड़ा डॉ एनएस नाग भी पूरे अमले के साथ मौजूद थे। मांदर की थाप पर गीतों और संदेशों के जरिए संस्थागत प्रसव, कुपोषण, मलेरिया, डेंगू, कोरोना एवं अन्य बीमारियों को लेकर

जागरूकता लाई गई। वाहन पर लगे लाउड स्पीकर से हल्बी और गोंडी बोली में संदेश देते गीत लगातार बजाए जा रहे थे। ये कर्णप्रिय गीत ग्रामीणों को सहज आकर्षित कर रहे थे। रैली में राज्य सलाहकार मलेरिया डॉ जितेंद्र, जिला मलेरिया अधिकारी जगदलपुर डॉ. एसएस टेकाम, बीपीएम शकुंतला, केपी पाणिग्राही, सुपरवाइजर संजय जोशी, मायाधर जोशी एवं स्वास्थ्य विभाग के अन्य अधिकारी - कर्मचारी भी शामिल थे।

शिविर लगाकर की गई स्वास्थ्य जांच

बिनता गांव के बाजार स्थल के पास विभाग द्वारा स्वास्थ्य शिविर भी लगाया गया। शिविर में बिनता गांव के अलावा बाजार में खरीदारी करने आए अन्य गांवों के ग्रामीणों ने भी अपनी सेहत की जांच कराई। डॉक्टरों ने ग्रामीणों के ब्लड प्रेशर व शुगर लेवल, रक्त की जांच की गई। लोगों का मलेरिया टेस्ट भी किया गया। सर्दी, खांसी, बुखार आदि सामान्य बीमारियों से पीड़ित पाए गए ग्रामीणों को जांच उपरांत दवाएं भी दी गईं। शिविर के दौरान ग्रामीणों को डॉक्टरों और स्वास्थ्य कर्मियों ने मलेरिया व डेंगू के लक्षण बताए तथा ऐसे लक्षण नजर आने पर तुरंत मितानिनों, गांव में कार्यरत नर्स और नजदीकी स्वास्थ्य केंद्र से संपर्क करने की सलाह दी गई। मच्छरों के दंश से बचने के तरीके बताए गए। लोगों से कहा गया कि घरों में तथा आसपास पानी का जमाव न होने दें, कूलर व टंकियों के पानी को हर हफ्ते बदलते रहें, पानी के बर्तनों को हमेशा अच्छी तरह से ढंक कर रखें, सोते समय मच्छरदानी का उपयोग करें, पूरी आस्तीन के कपड़े पहनकर सोएं और शाम होते ही घरों में धुंआ करें।

हेड मास्टर प्रमोशन के मामले में भ्रष्टाचार का आरोप

■ **असंतुष्ट पदोन्नत प्रधान पाठकों ने ज्ञापन सौंपा**

कोरबा। कोरबा जिले में चर्चित हेड मास्टर प्रमोशन के मामले में भ्रष्टाचार का आरोप लगाते हुए असंतुष्ट प्रधान पाठकों ने मोर्चा खोल कर जिला शिक्षा अधिकारी जीपी भारद्वाज वह संबंधितों के विरुद्ध गंभीर शिकायतें स्कूल शिक्षा विभाग के प्रमुख सचिव से की है। इससे शिक्षा विभाग में खलबली मच गई है।

बुधवार को कलेक्टर की अनुपस्थिति में अपर कलेक्टर प्रदीप साहू को असंतुष्ट पदोन्नत प्रधान पाठकों ने ज्ञापन सौंपा। जिला शिक्षा अधिकारी जीपी भारद्वाज को बर्खास्त करने एवं हाईकोर्ट के निर्देश के अनुसार मूल शाला में वापस भेज कर ऑनलाइन काउंसलिंग करने संबंधी मांग की गई। जिला मुख्यालय पहुंचे लगभग 50 की संख्या में उपस्थित असंतुष्ट प्रधान पाठकों ने अपना गुस्सा जिला शिक्षा अधिकारी कार्यालय में पदस्थ केआर डहरिया पर उतारा। असंतुष्ट प्रधान पाठकों ने 6 महीना में भ्रष्टाचार के विरुद्ध कोई कार्यवाही नहीं किए जाने पर भी आक्रोश जताया। श्रीमती सुशील साहू ने बताया कि उनके जगह कनिष्ठ को हेड मास्टर बना कर कार्य लिया जा रहा है। शिक्षिका हेमा शर्मा ने बताया कि उनके साथ भी पदोन्नति में

गलत हुआ है। ऐसे दर्जनों असंतुष्ट प्रधान पाठकों का समूह जस्टिस फॉर एचएम और भ्रष्टाचार खत्म करो जैसे स्लोगन के साथ कलेक्टर कार्यालय में रैली की शक्ल में पहुंचे और ज्ञापन सौंपा। अपर कलेक्टर ने समस्त 1145 प्रधान पाठकों की नियमानुसार पदस्थापना करने का आश्वासन दिया है। असंतुष्ट प्रधान पाठकों ने कहा है कि मांग पत्र पर 7 दिवस के भीतर निराकरण नहीं हुआ तो एक प्रमुख मार्ग को जाम कर प्रदर्शन करेंगे। असंतुष्ट प्रधान पाठकों का आरोप है कि इस पूरे मसले के कारण ग्रामीण क्षेत्र के सरकारी स्कूल के बच्चों की शिक्षा 6 महीना में प्रभावित हुई है एवं शिक्षकों को मानसिक, आर्थिक और शारीरिक रूप से प्रताड़ित होना पड़ा है। यहां बता दें कि पिछले दिनों इस पदोन्नति से संतुष्टि जाहिर करते हुए प्रधान पाठकों के एक दल ने जिला शिक्षा अधिकारी के प्रति सकारात्मक रुख दिखाया था लेकिन भीतर ही भीतर असंतुष्टि की चिंगारी सुलग रही थी जो अब भड़क कर सामने आ गई।

आईईडी निष्क्रिय करने के दौरान विस्फोट, जवान घायल

बीजापुर। जिले के थाना नेलसनार-बांगापाल क्षेत्रांतर्गत फुड़ी सीआरपीएफ 165 वीं हेडक्वाटर से सीआरपीएफ के जवान एरिया डॉमिनेशन/ सर्चिंग हेतु आज गुरूवार सुबह रवाना हुई थी। कार्यवाही के दौरान लगभग 12 बजे ग्राम नेलसनार और पांडेमुर्गा के मध्य पुलिया के पास सड़क किनारे नक्सलियों के द्वारा लगाए गये प्रेशर आईईडी को निष्क्रिय करने के दौरान अचानक आईईडी में हुए विस्फोट में सीआरपीएफ 165 बटालियन बीडीएस के आरक्षक रवि कुमार इसकी चपेट में आकर घायल हो गया है, आरक्षक के हांथ एवं पैर में चोंट आई है। घटना के बाद जवान को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र भैरमगढ़ ले जाया गया, जहां प्रथमिक उपचार के बाद बेहतर उपचार हेतु हेलीकाप्टर-चौपर से रायपुर के लिए एयर लिफ्ट कर रवाना कर दिया गया है।

बस्तर आईजी सुंदरराज पी. ने इसकी पुष्टि करते हुए बताया कि घटनास्थल में और भी आईईडी होने की संभावना को देखते हुए बीडीएस टीम पूरे इलाके की सर्चिंग कर रही है।

छत्तीसगढ़ प्रमुख समाचार

लोकतंत्र बचाओ मशाल शांति जुलूस आज निकलेगी

कोरबा। कांग्रेस नेता राहुल गांधी के संसदीय अयोग्यता के विरोध में देशभर में कांग्रेस द्वारा लोकतंत्र बचाओ मशाल शांति जुलूस निकाला जा रहा है। अखिल भारतीय एवं प्रदेश कांग्रेस कमेटी के निर्देश पर कोरबा में भी लोकतंत्र बचाओ मशाल शांति जुलूस का आयोजन 31 मार्च शुक्रवार को संध्या 06:00 बजे कोरबा पुराना बस स्टैण्ड में होगा। उक्त जानकारी देते हुए जिला कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष द्वय सुरेन्द्र प्रताप जायसवाल एवं श्रीमती सपना चौहान ने बताया कि प्रदेश के राजस्व मंत्री जयसिंह अग्रवाल एवं सांसद श्रीमती ज्योत्सना महंत के नेतृत्व में मशाल जुलूस का आयोजन किया गया। जिसका पुराना बस स्टैंड से पावर हाउस मार्ग होते हुए टीप्पीण् नगर स्थित कांग्रेस कार्यालय में समापन किया जावेगा। उन्होंने जिले के कांग्रेस विधायक, पूर्व विधायक, जिला कांग्रेस, ब्लॉक कांग्रेस, जोन. वार्ड. बुथ कमेटी, महिला कांग्रेस, युवा कांग्रेस, सेवादल, इंटक, एनएसयूआई, पार्षदगण, पार्षद प्रत्याशी, जिला जनपद पंचायत के जनप्रतिनिधिगण आदि को समय पर कार्यक्रम स्थल पहुंचने आग्रह किया गया है।

चेक पोस्ट से होगी कवर्धा शहर की सुरक्षा

कवर्धा। कवर्धा शहर के सुरक्षा पर विशेष फोकस किया गया जा रहा है। यही कारण है कि शहर के सभी बॉर्डर पर पुलिस चेक पोस्ट भवन बनाया गया है। बुधवार को एसपी डॉ. लाल उमेद सिंह के द्वारा नवनिर्मित कवर्धा चेक पोस्ट भवन का लोकार्पण किया गया। सुरक्षा के दृष्टिकोण से शहर के मुख्य 05 मार्ग जिसमें, लालपुर रोड, समनापुर रोड, बिलासपुर रोड, रायपुर रोड, लोहारा रोड पर पुलिस चेक पोस्ट का निर्माण कराया गया है। यहां 24 घंटे सीसीटीवी कैमरे से निगरानी की जाएगी। पुलिस चेक पोस्ट के निर्माण के विषय में जानकारी देते हुए पुलिस अधीक्षक डॉ. लाल उमेद सिंह ने बताया कि शहर में प्रवेश करने के लिए इस्तेमाल किये जाने वाले प्रमुख 05 मार्गों पर पुलिस चेक पोस्ट का निर्माण कराया गया है, ताकि समय-समय पर पुलिस के अधिकारी जवानों को निर्देश करने पर एक निश्चित स्थान पर स्वयं बरसात, धूप, ठंड, आदि से सुरक्षित रह कर अलग-अलग शिफ्ट के माध्यम से लगातार बाहर से आने-जाने वाले संदिग्ध व्यक्ति वाहन आदि की लगातार चेकिंग कर सकें।

रेत का ठेका दिलाने के नाम पर पिता-पुत्र ने 41 लाख ठगे

अम्बिकापुर। कोतवाली थाना क्षेत्र अंतर्गत कांतिप्रकाशपुर निवासी ग्रामीण से पिता-पुत्र ने रेत का ठेका दिलाने का झांसा देकर चार वर्ष पूर्व 41 लाख रुपये की ठगी कर ली। ठगी के शिकार हुए ग्रामीण ने बेटी की शादी एवं निजी उपयोग के लिए 55 लाख रुपये में पैतृक जमीन बेची थी। नेटवर्क मार्केटिंग कंपनी में कार्य करने वाली बेटी के परिचित युवक एवं उसके पिता ने ही ठगी की घटना को अंजाम दिया। मामले की रिपोर्ट पर पुलिस ने दो आरोपियों के खिलाफ धारा 420 के तहत धोखाधड़ी का अपराध दर्ज कर लिया है। कांतिप्रकाशपुर निवासी मनीराम राजवाड़े ने कोतवाली थाने में लिखित शिकायत दर्ज कराई कि उसने बेटी की शादी एवं निजी कार्यों के लिए अपनी 33.5 डिसमिल जमीन 55 लाख रुपये में बेची थी। उसकी पुत्री स्मार्ट वेल्यू नेटवर्क मार्केटिंग कंपनी में काम करती थी। उस दौरान उसकी दोस्ती दीपक मारखांडे की पुत्री के साथ हो गई थी। युवती अपने भाई कमलेश मारखांडे 30 वर्ष व पिता दीपक मारखांडे निवासी चकरभाठा, मुंगेली के साथ मनीराम राजवाड़े के घर आती-जाती थी।

अंतर्राष्ट्रीय जीरो वेस्ट दिवस स्वच्छता दीदी बनीं अतिथि

अम्बिकापुर। अंतर्राष्ट्रीय जीरो वेस्ट दिवस के अवसर पर इंडिया हैबिटेट सेंटर नई दिल्ली में भारत सरकार आवासन एवं शहरी कार्य मंत्रालय द्वारा आयोजित अंतर्राष्ट्रीय समारोह में छत्तीसगढ़ के अंबिकापुर की स्वच्छता दीदी बतौर अतिथि शामिल हुईं। कार्यक्रम में अंबिकापुर निगम आयुक्त ने पैनलिस्ट के रूप में अंबिकापुर के स्वच्छता मॉडल पर व्याख्यान दिया। देशभर में वेस्ट मैनेजमेंट के मामले में छत्तीसगढ़ के अंबिकापुर शहर के मॉडल ने अपनी पहचान बनाई है। 10 लाख से कम आबादी वाले स्वच्छ शहरों में अंबिकापुर पहले एवं दूसरे स्थान पर भी जगह बना चुका है। 29 मार्च को अंतर्राष्ट्रीय जीरो वेस्ट दिवस के अवसर पर इंडिया हैबिटेट सेंटर नई दिल्ली में भारत सरकार आवासन एवं शहरी कार्य मंत्रालय द्वारा मंत्री हरदीप सिंह पूरी के मुख्य आतिथ्य में कार्यशाला का आयोजन किया गया।

तीन दुकानों को तोड़ता हुआ मकान में घुसा बेकाबू हाइवा

कोरबा। छत्तीसगढ़ के कोरबा में एक हाईवा अनियंत्रित होकर तीन दुकान और एक मकान को क्षतिग्रस्त कर दिया। गनीमत रही कि इस दौरान मकान में मौजूद परिवार का कोई सदस्य चपेट में नहीं आया। हालांकि टक्कर लगने से हाईवा चालक घायल हो गया उसे अस्पताल में भर्ती कराया गया है। वहीं टक्कर के बाद हंगामा हो गया। स्थानीय लोगों ने चक्काजाम कर दिया। इसके बाद 3.75 लाख रुपये के मुआवजे पर समझौता हुआ। मामला बालको नगर थाना क्षेत्र का बताया जा रहा है। जानकारी के मुताबिक परसा भाटा वार्ड में रात्रि को एक तेज धमाका सुनाई दिया। पड़ोस में रहने वाले सरस्वती राठौर की दुकान को तोड़ता हुआ एक हाईवा उनके घर में घुस गया था। टक्कर के चलते दुकान का सामान और मकान के सामने की दीवार क्षतिग्रस्त हो चुकी थी। वहीं हाईवे में चालक घायल हालत में पड़ा हुआ था। इस पर लोगों ने पुलिस को सूचना दी। इस बीच लोगों को पता चला कि दो और दुकानें शैलेंद्र राठौर व मुकेश गुप्ता की भी हाईवा की टक्कर से क्षतिग्रस्त हो गयी है।

अवैध शराब बिक्री रुकवाने में प्रशासनिक नाकामी

■ **ग्रामीणों का चौकसी अभियान**

खरोरा। अवैध शराब बिक्री रुकवाने में प्रशासनिक नाकामी के चलते आक्रोशित खरोरा थाना के ग्राम बुडन्ी के ग्रामीणों का कोचियों का घेराबंदी व चौकसी अभियान बीते एक माह से लगातार जारी है । पहले कुछ दिन लगातार चौकसी अभियान चलाने के बाद अब ग्रामीण अचानक ही यह अभियान चला कोचियों पर निगरानी रखने के साथ साथ ग्राम में जनजागरुकता अभियान चला रहे हैं । नवरात्रि पर्व के सप्तमी के दिन ग्राम के महिलाओं व पुरूषों ने संयुक्त रूप से यह अभियान चलाया व अब भी गुपचुप तरीके से अवैध शराब बेचने के एक संदेही का जमकर क्लास ली । बीते एक माह से ग्रामीणों द्वारा चलाये जा रहे इस अभियान के बाद भी ग्रामीणों का दुखदर्द पूछने शासन प्रशासन का एक भी

नुमाइंदा ग्राम तक नहीं पहुंचा है जो कथित संवेदनशीलता पर सवालिया निशान लगा रहा है । इधर इससे लगे इसी थाना क्षेत्र के? ग्राम भड़हा व खौली में अब भी बैखौफ अवैध शराब बिक्री जारी है ।

ज्ञातव्य हो कि ग्राम में निवासरत एक समाज के पूर्व में पकड़े जा चुके 3 कोचियों द्वारा अवैध शराब बिक्री करने व आसपास के ग्रामों के पियक्कड़ों का मजमा लगने से ग्राम में व्याप्त अशांति व शासन प्रशासन से गुहार के बाद भी इस पर रोक न लगने से ग्राम के महिलाओं ने पंचायत प्रतिनिधियों व ग्रामीण सभा के सहयोग से इसके खिलाफ बीते एक माह से शंखनाद कर रखा है । पहले लगातार चौकसी व घेराबंदी कर कोचियों को समझाईश देने व दूसरे ग्रामों के पियक्कड़ों को बुडेनी की ओर न आने की चेतावनी देने के बाद अब ग्रामीण अचानक ही यह अभियान चला रहे हैं । इस अभियान के चलते बाहरी ग्रामों के पियक्कड़ों का आना तो बंद हो गया है । इनके साथ साथ बुडेनी के पियक्कड़ों का रुख भी नजदीकी ग्राम भड़हा की ओर हो गया है जहां पर पूर्व में पकड़े जा चुके एक शराब कोचिया बेखौफ अपने स्कूटी में घूम घूम कर शराब बेच रहा है जिस पर भडहावासी व शासन प्रशासन अब तक रोक लगा पाने में असफल रहे हैं । इधर बीते दिनों ग्राम बुडेनी के? एक कोचिये द्वारा शराब ला गुपचुप बेचने की शिकायत पर आक्रोशित ग्रामीणों ने नवरात्रि पर्व पर ऐन सप्तमी के दिन फिर अपना अभियान चलाया जिसमें ग्राम की महिलाओं व पुरूषों ने संयुक्त रूप से भाग लिया । ग्राम प्रमुखों व पंचायत प्रतिनिधियों ने इस अभियान के जारी रहने के दौरान आज तक शासन प्रशासन के एक भी नुमाइंदे के ग्राम पहुंचअवैध शराब बिक्री रुकवाने का आश्वासन न देने की जानकारी देते हुये नाराजगी व्यक्त की व अवैध शराब बिक्री रुकने से ग्राम में व्याप्त शांति को किसी भी कीमत पर भंग न होने देने की प्रतिबद्धता दोहरायी । इधर मंदिर हसौद थाना क्षेत्र के? ग्राम कठिया में अवैध शराब बिक्री पर अंकुश लगने से पियक्कड़ों का हूजूम निकटस्थ खरोरा थाना क्षेत्र के? ग्राम खौली में जुटने लगा है वह ग्रामीणों के मुताबिक प्रमुख रूप से 3 कोचिये सक्रिय रह सड़क मार्ग के किनारे व नहर पार पर बेखौफ शराब बेच रहे हैं ।

खेत में जुताई के दौरान पलटा ट्रैक्टर

■ **तीन साल के मासूम की मौत, पिता की हालत गंभीर**

बालोद। बालोद जिले के डौंडी विकासखंड से एक हादसा हो गया। खेत में जुताई करते समय अनियंत्रित होकर ट्रैक्टर पलट गया। जिससे पिता एवं पुत्र ट्रैक्टर में ही दब गए। जहां पर तीन वर्षीय मासूम ने मौके पर ही दम तोड़ दिया। वहीं, पिता की हालत नाजुक बनी हुई है। मिली जानकारी के अनुसार दोनों डौंडी ब्लाक के ग्राम लिम्हा टोला के निवासी हैं और पिता अपने गांव से ट्रैक्टर लेकर कच्चे में खेत की जुताई करने गया था जहां वह अपने बेटे को भी ले गया था।

घटना डौंडी थाना इलाके के कच्चे गाँव की है जहां से कुछ दूरी पर स्थित लिमहाटोला गांव में ओमकार के मौसा रहते हैं। वहीं, वह ट्रैक्टर चलाने के लिए आया था। आज ओमकार ट्रैक्टर लेकर खेत की जुताई करने के लिए कच्चे गांव गया हुआ था साथ मे अपने तीन साल के बेटे को भी ले गया था। जहां इस दर्दनाक घटना का दोनों शिकार हो गए।

फिलहाल पुलिस भी मौके पर पहुंची हुई है और जांच शुरू कर दी गई है।

मिली जानकारी के अनुसार वह खेत की जुताई कर रहा था तो ट्रैक्टर अचानक अनियंत्रित होकर पलट गया। जिसके चलते ट्रैक्टर सवार पिता पुत्र ट्रैक्टर में ही दब गए। घटना के बाद वहां मौजूद लोगों ने दोनों को डौंडी स्थित शासकीय अस्पताल पहुंचाया। जहां तीन साल के मासूम को डॉक्टरों ने मृत घोषित कर दिया। तो वहीं, पिता बुरी तरह घायल हो गया जिसका इलाज जारी है। पूरा मामला कांकेर जिले के कच्चे थाना क्षेत्र का है। डौंडी उप स्वास्थ्य केंद्र में जब उन्हें इलाज के लिए लाया गया तो डौंडी थाना प्रभारी के निर्देशन में मर्ग कायम किया गया है।

राष्ट्रीय/अंतरराष्ट्रीय
प्रमुख समाचार

भगवान राम केवल लकड़ी या पत्थर की मूरत नहीं, इस देश की पहचान हैं : रक्षामंत्री

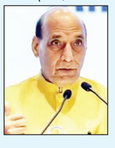

नई दिल्ली। केंद्रीय रक्षामंत्री राजनाथ सिंह ने कहा कि भगवान राम केवल लकड़ी या पत्थर की मूरत नहीं हैं, बल्कि भारत की पहचान हैं। उन्होंने जोर देकर कहा कि सरकार अस्पतालों, स्कूलों का निर्माण करेगी, उद्योग स्थापित करेगी और मंदिर भी बनाएगी। रक्षामंत्री रामनवमी के अवसर पर आयोजित एक सम्मेलन को संबोधित कर रहे थे। इस दौरान उन्होंने कहा, जब राम मंदिर के निर्माण की बात आई, तो बहुत से लोगों ने इस पर अपने विचार देने शुरू कर दिए थे। कुछ लोगों ने सुझाव दिया था कि रामलला के जन्मस्थान पर एक अस्पताल बनाया जाए, जबकि अन्य ने कहा कि एक स्कूल बनाया जा सकता है। कुछ ने यह भी सुझाव दिया कि उस स्थान पर उद्योग लगाए जा सकते हैं। ये वे लोग हैं जो भगवान राम को नहीं समझते हैं।

राहुल के खिलाफ ब्रिटेन में अदालत जाएंगे ललित मोदी

लंदन। कांग्रेस के वरिष्ठ नेता राहुल गांधी पर गुरुवार को आईपीएल के संस्थापक ललित मोदी ने तीखा हमला बोला है। ललित मोदी ने राहुल गांधी के मोदी उपनाम वाले बयान को लेकर उन्होंने ब्रिटेन में अदालत का दरवाजा खटखटाने का फैसला किया है। ललित मोदी ने अपने ट्विटर हैंडल पर ट्वीट के जरिए ये जानकारी दी है। ललित मोदी ने एक के बाद एक कई ट्वीट किए हैं। आईपीएल के संस्थापक मोदी ने सवाल करते हुए कहा, मुझे किस आधार पर भगोड़ा कहा जा रहा है, मैं कभी दोषी नगीं ठहराया गया है और वह एक सामान्य नागरिक है। ललित मोदी यहीं नहीं रूके उन्होंने विपक्ष की कांग्रेस पार्टी पर भी जमकर हमला बोला है। उन्होंने विपक्ष पर प्रतिशोध की भावना रखने का आरोप लगाते हुए कहा कि मैंने हमेशा से गांधी के लगभग हर सहयोगी को यह कहते सुना है कि मैं भगोड़ा हूं। क्यों और कैसे और मुझे आज तक कब दोषी ठहराया गया है? पप्पू उर्फ राहुल गांधी के विपरीत, मैं अब एक सामान्य नागरिक हूं।

ममता के धरने से बढ़ा पश्चिम बंगाल का राजनीतिक पारा

कोलकाता। पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी शहर के बीचों-बीच स्थित रेड रोड पर डॉ. बीआर आंबेडकर की प्रतिमा के सामने तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) के नेताओं एवं कार्यकर्ताओं के साथ बुधवार को रातभर धरने पर बैठी रहीं। ममता बनर्जी का आरोप है कि केंद्र सरकार पश्चिम बंगाल के साथ भेदभाव कर रही है और इसी के विरोध में वह यह धरना दे रही हैं। वहीं धरने के दूसरे दिन गुरुवार को ममता बनर्जी ने आरोप लगाया है कि केंद्र सरकार राज्य के साथ भेदभाव कर रही है। बनर्जी का आरोप है कि केंद्र सरकार ने उनका मनरेगा योजना का फंड रोक दिया है। साथ ही कई अन्य योजनाओं का भी पैसा रोकने का आरोप केंद्र सरकार पर लगाया गया है। ममता बनर्जी ने सभी राजनीतिक पार्टियों से भी आह्वान किया है कि वह अगले साल होने वाले लोकसभा चुनाव में सभी राजनीतिक पार्टियां एकजुट होकर भाजपा से लड़ें।

कर्नाटक विधानसभा चुनाव नहीं लड़ेंगे येदियुरप्पा

बेंगलुरु। कर्नाटक में 10 मई को एक ही चरण में विधानसभा चुनाव होंगे, जबकि नतीजे 13 मई को घोषित किए जाएंगे। इस बीच कर्नाटक के पूर्व मुख्यमंत्री और भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) नेता बीएस येदियुरप्पा ने गुरुवार को कहा कि हमें कर्नाटक में पूर्ण बहुमत मिलने जा रहा है। पीएम मोदी के नेतृत्व में हम सत्ता में वापस आएंगे। कांग्रेस भ्रष्ट है इसलिए 40 प्रतिशत कमीशन के झूठे आरोप लगा रही है, मतदाता इन बातों से दूर रहेंगे। उन्होंने आगे कहा, मैंने विधानसभा चुनाव नहीं लड़ने का फैसला किया है और सीएम पद से भी इस्तीफा दे दिया है क्योंकि मैं पहले ही 80 साल की उम्र पार कर चुका हूं। भले ही मैं 80 साल से अधिक हो गया हूं, मैं इस बार ही नहीं बल्कि अगली बार भी राज्य में घूमूंगा। हम देखेंगे कि न केवल इस बार बल्कि अगली बार भी हमें बहुमत मिलेगा। कर्नाटक में 224 सदस्यीय विधानसभा है। वर्तमान में भाजपा के पास 119 सीटें हैं जबकि कांग्रेस के पास 75 सीटें हैं।

कांग्रेस-जेडीएस का नहीं होगा गठबंधन : कुमारस्वामी

नई दिल्ली। कर्नाटक में विधानसभा चुनाव को लेकर गहमा-गहमी तेज हो गई है। सियासी बयानबाजी भी खूब होने लगी है। इस बीच, जेडीएस प्रमुख और पूर्व मुख्यमंत्री एचडी कुमारस्वामी का कांग्रेस-जेडीएस गठबंधन को लेकर बड़ा बयान आया है। कुमारस्वामी ने साफ कर दिया कि चुनाव में कांग्रेस और जेडीएस का गठबंधन नहीं होगा। वहीं, जेडीएस प्रमुख के इस बयान पर कांग्रेस ने भी पलटवार किया। कर्नाटक कांग्रेस के अध्यक्ष डीके शिवकुमार ने कहा, हमने न तो उन्हें (जेडीएस) फोन किया और न ही साथ आने को कहा। कर्नाटक के लोगों ने कांग्रेस को वोट देने का फैसला किया है और हमारी सरकार यहां बनेगी। वहीं, कांग्रेस नेता सिद्धारमैया ने भाजपा पर निशाना साधा। बीएस येदियुरप्पा के 150 से ज्यादा सीटें जीतने वाले बयान पर सिद्धारमैया ने कहा कि बीजेपी 60 सीट भी नहीं जीत पाएगी।

राहुल गांधी पर जर्मनी के बयान पर विवाद, भाजपा-कांग्रेस में टकराव

भारतीय न्यायपालिका विदेशी हस्तक्षेप से प्रभावित नहीं हो सकती : रिजिजू

नई दिल्ली। जर्मनी ने राहुल गांधी के लोकसभा सदस्यता गंवाने के मामले पर बयान दिया है जिसके बाद भारतीय जनता पार्टी ने गुरुवार को कांग्रेस पर भारत के आंतरिक मामलों में हस्तक्षेप के लिए विदेशी शक्तियों को आमंत्रित करने का आरोप लगाया। केंद्रीय कानून मंत्री किरेन रिजिजू ने ट्वीट करते हुए लिखा, भारत के आंतरिक मामलों में हस्तक्षेप के लिए विदेशी शक्तियों को आमंत्रित करने के लिए राहुल गांधी को धन्यवाद।

उन्होंने लिखा, याद रखें भारतीय न्यायपालिका विदेशी हस्तक्षेप से प्रभावित नहीं हो सकती। भारत अब विदेशी प्रभाव को बर्दाश्त नहीं करेगा क्योंकि हमारे प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी हैं। सभी चुनी हुई सरकारों से सवाल करें, सभी मुद्दों पर चर्चा और बहस करें। लेकिन भारतीय लोकतंत्र और भारतीय संस्थानों का दुरुपयोग न करें। कांग्रेस पार्टी भारत के लोगों से नाराज है लेकिन हमारे जीवंत लोकतंत्र और इसकी मजबूत न्यायपालिका का अपमान करके हमारे देश की छवि को क्यों धूमिल कर रही है।

जर्मनी के विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता ने प्रेस ब्रीफिंग में कहा, हमने भारत में विपक्षी नेता राहुल गांधी के खिलाफ फैसले और उनकी संसदीय सदस्यता निलंबन किए जाने का संज्ञान लिया है। प्रवक्ता के हवाले से कहा गया, हमारी जानकारी के मुताबिक, गांधी फैसले को चुनौती दे सकते हैं। तब यह स्पष्ट होगा कि क्या यह फैसला टिक पाएगा और क्या निलंबन का कोई आधार है? प्रवक्ता ने कहा कि जर्मनी को उम्मीद है कि न्यायिक स्वतंत्रता के मानक और मौलिक लोकतांत्रिक सिद्धांत समान रूप से राहुल गांधी के खिलाफ कार्यवाही पर लागू होंगे।

जर्मनी की टिप्पणी पर दिग्विजय ने जताई खुशी

कांग्रेस नेता राहुल गांधी की संसद सदस्यता रद्द होने के मामले में जर्मनी ने संज्ञान लिया है इसपर कांग्रेस नेता दिग्गविजय सिंह ने शुक्रिया जताया है। अपने ट्विटर हैंडल पर सिंह ने कहा है कि सिंह ने कहा है कि, जर्मनी के विदेश मंत्रालय और रिचर्ड वॉकर का शुक्रिया...आपने ये बात

संज्ञान में ली कि राहुल गांधी के खिलाफ कार्रवाई करके किस तरह भारत में लोकतंत्र के साथ खिलवाड़ किया जा रहा है।

राहुल अकेले व्यक्ति नहीं है जिन्हें अदालत ने दोषी ठहराया : अमित शाह

वहीं, राहुल गांधी की संसद सदस्यता रद्द होने के बात केन्द्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने कहा कि कांग्रेस नेता राहुल गांधी अकेले ऐसे व्यक्ति नहीं हैं जिन्हें अदालत ने दोषी ठहराया है और जिन्होंने लोकसभा की सदस्यता खो दी है। उन्होंने कहा कि उच्च न्यायालय में जाने के बजाय राहुल गांधी और कांग्रेस हो-हल्ला कर कर रहे हैं। अमित शाह ने कहा कि राहुल गांधी और कांग्रेस को पीएम मोदी पर दोष मढ़ने की कोशिश करने के बजाय ऊपरी अदालत का रुख करना चाहिए।

राहुल गांधी माफी मांग सकते थे : जयशंकर

इस मामले में विदेश मंत्री मंत्री एस जयशंकर ने कहा है कि किसी विदेशी राजनयिक ने लोकसभा से राहुल गांधी को अयोग्य घोषित किए जाने का मुद्दा नहीं उठाया है। उन्होंने कहा कि कांग्रेस नेता को उसी कानून के तहत अयोग्य घोषित किया गया है, जिसका उन्होंने खुद समर्थन किया था। जयशंकर ने कहा कि लोकसभा सदस्य के रूप में राहुल गांधी की अयोग्यता इसलिए हुई है क्योंकि उन्होंने चार साल पहले एक समुदाय के खिलाफ की गई आपत्तिजनक टिप्पणी पर अफसोस जताने से इंकार कर दिया। अगर राहुल अपने बयान के लिए माफी मांग लेते तो मामले खत्म हो सकता था।

वित्त मंत्री ने चीन के मामले पर घेरा

वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने भी दिग्विजय सिंह के ट्वीट का जवाब देते हुए ट्वीट किया, जिसमें उन्होंने चीन का मामला उठा दिया। निर्मला सीतारमण ने लिखा कि साफ है कि कांग्रेस हमारे आंतरिक मामलों में विदेशी दखल चाहती है। चीन की कम्युनिस्ट पार्टी के साथ अपारदर्शी एमओयू पर हस्ताक्षर करना हो या फिर विदेश में चर्चा के दौरान सरकार बदलने के लिए विदेशी मदद की मांग। अब कोई और सबूत भी चाहिए? जब मदद आ जाए तब धन्यवाद कहिएगा।

केंद्र की भाजपा सरकार को लोकतंत्र में विश्वास नहीं : गहलोत

जयपुर। राजस्थान के मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने केंद्र की भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) सरकार पर निशाना साधते हुए आरोप लगाया कि उसे लोकतंत्र में विश्वास नहीं है। इसके साथ ही उन्होंने कहा कि कांग्रेस वाले तिरंगे झंडे की रखवाली करने वाले लोग हैं। गहलोत पार्टी के 'संकल्प सत्याग्रह' के तहत उदयपुर में कार्यकर्ता सम्मेलन को संबोधित कर रहे थे। गहलोत ने कहा," आप देख रहे हैं देश में क्या हो रहा है, मैं कई साल से कह रहा हूं ... देश किस दिशा में जा रहा है कोई नहीं जानता, किस दिशा में जाएगा किसी को मालूम नहीं। इस तरह की सरकार दिल्ली में बैठी है जिसका लोकतंत्र में कोई विश्वास नहीं है। छापे पड़ते हैं ईडी (प्रवर्तन निदेशालय), इनकम टैक्स (आयकर विभाग), सीबीआई (केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो) के ... धज्जियां उड़ रही हैं संविधान की, लोकतंत्र की।"

अमित शाह पर बरसे कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे

गृह मंत्री हमेशा गुमराह करते हैं, वे हमेशा झूठ बोलते हैं

नई दिल्ली। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे से जब पूछा गया कि गृह मंत्री अमित शाह का कहना है कि कांग्रेसराहुल गांधी के मुद्दे पर लोगों को गुमराह कर रही है तो इसपर उन्होंने कहा कि वो उनके बारे में ज्यादा कुछ नहीं कहना नहीं चाहते हैं। उन्होंने कहा, गृह मंत्री हमेशा गुमराह करते हैं, वे हमेशा झूठ बोलते हैं। राहुल गांधी के मामले में उन्हें बिजली की गति से अयोग्य घोषित किया गया है।

कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने आगे कहा, मुझे लगता है कि देश में कहीं भी ऐसा नहीं हुआ। आज आपने देखा होगा कि सुप्रीम कोर्ट की सुनवाई से पहले एक दोषी व्यक्ति को स्पीकर ने बहाल कर दिया है। आप कल्पना कर सकते हैं कि वे राहुल गांधी के खिलाफ किस प्रतिशोध की कार्रवाई कर रहे हैं। हम इसका सामना करेंगे और हमारी कानूनी टीम काम कर रही है।

हाल ही में एक कार्यक्रम में अमित शाह ने सूरत की एक अदालत द्वारा मानहानि के मामले में राहुल गांधी को दोषी ठहराए जाने पर ये भी कहा था कि कांग्रेस नेता अकेले ऐसे व्यक्ति नहीं हैं जिन्हें अदालत

ने दोषी ठहराया है और जिन्होंने लोकसभा की सदस्यता खो दी है।

उन्होंने ये भी कहा था कि उच्च न्यायालय में जाने के बजाय राहुल हो-हल्ला करने की कोशिश कर रहे हैं और अपनी किस्मत के लिए प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी को दोष दे रहे हैं। शाह ने कहा कि राहुल गांधी को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पर दोष मढ़ने की कोशिश करने के बजाय अपने आपको दोषी ठहराए जाने के खिलाफ लड़ने के लिए ऊपरी अदालत में जाना चाहिए।

कर्नाटक में एक महीने में तीन विधायकों ने थामा कांग्रेस का दामन

नई दिल्ली। जेडीएस के पूर्व विधायक ने गुरुवार को कांग्रेस का दामन थाम लिया है। 2018 में जेडीएस से जुड़े करीब 37 नेता अब कांग्रेस में शामिल हो चुके हैं। क्रॉस वॉटिंग के आरोपों में घिरे विधायक ने 27 मार्च को इस्तीफा दिया था। जेडीएस के अलावा भाजपा के भी दो एमएलसी पुत्तन्ना और बाबूराव चिंचनसुर ने मार्च की शुरुआत में इस्तीफा दिया था। वे भी कांग्रेस का दामन थामेंगे। पुट्टन्ना को कांग्रेस ने अपनी पहली सूची में राजा जी नगर विधानसभा क्षेत्र से मैदान में उतारा है। संभावना है कि कांग्रेस चिंचनसुर और श्रीनिवास को भी गुरमित्कल और गुब्बी से मैदान में उतार सकती है। चार बार के विधायक और पूर्व मंत्री श्रीनिवास और उनके समर्थकों को पार्टी में शामिल करते हुए कर्नाटक कांग्रेस के अध्यक्ष डीके शिवकुमार ने कहा कि मैं लंबे समय से श्रीनिवास को कांग्रेस में लाने की कोशिश कर रहा था, लेकिन अब वे पार्टी में शामिल हो गए हैं। इनके इस फैसले से कांग्रेस सिर्फ तुमकुरु ही नहीं पूरे पुराने मैसूर क्षेत्र में मजबूत होगी। शिवकुमार ने दावा किया कि पिछले विधानसभा चुनावों में जेडीएस से जुड़े लगभग 37 नेता अब तक पार्टी में शामिल हो चुके हैं। भाजपा के दो एमएलसी पुत्तन्ना और बाबूराव चिंचनसुर के अलावा कांग्रेस में शामिल होने की चाह रखने वाले नेताओं की सूची काफी लंबी है।

खेल
प्रमुख समाचार

आज गुजरात टाइटंस और चेन्नई सुपर किंग्स के बीच मुकाबला

अहमदाबाद। इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) के 16वां सीजन की शुरुआत 31 मार्च से होने जा रही है। सीजन के पहले मुकाबले में गत चैंपियन गुजरात टाइटंस चार बार की आईपीएल विजेता चेन्नई सुपर किंग्स से भिड़ेगी। दोनों टीमों के बीच यह मैच अहमदाबाद के नरेंद्र मोदी स्टेडियम में खेला जाना है। एमएस धोनी की टीम सीएसके पिछले साल के प्रदर्शन को भूल कर मैदान में उतरेगी। वहीं, हार्दिक पंड्या की गुजरात टाइटंस की टीम अपनी बादशाहत कायम रखना चाहेगी। ऐसे में यह मुकाबला बेहद रोमांचक होने की उम्मीद है। गुजरात टाइटंस की टीम पिछले सीजन ही आईपीएल में डेब्यू किया था और खिताब जीतने में कामयाब रही थी। उस सीजन चेन्नई सुपर किंग्स और गुजरात टाइटंस के बीच 2 मैच खेले गए। इन दोनों मुकाबलों को हार्दिक पंड्या की टीम जीतने में सफल रही। ऐसे में अगर आंकड़ों के आधार पर देखा जाए तो गुजरात की टीम सीएसके पर भारी है।

गुजरात टाइटंस संभावित प्लेइंग 11- शुभमन गिल, मैथ्यू वेड (विकेटकीपर), केन विलियमसन, हार्दिक पांड्या (कप्तान), अभिनव मनोहर, राहुल तेवतिया, ओडियन स्मिथ, राशिद खान, शिवम मावी, यश दयाल और मोहम्मद शमी।

चेन्नई सुपर किंग्स संभावित प्लेइंग 11- डेवोन कॉनवे, रुतुराज गायकवाड़, मोईन अली, अंबाती रायडू, बेन स्टोक्स, शिवम दुबे, महेंद्र सिंह धोनी (कप्तान और विकेटकीपर), रवींद्र जडेजा, दीपक चाहर, मुकेश चौधरी और ड्वेन प्रिटोरियस।

गुजरात टाइटंस और चेन्नई सुपर किंग्स के बीच आईपीएल 2023 का पहला मुकाबला शाम 7:30 बजे शुरू होगा। जबकि टॉस 7 बजे होगा। इस मैच का लाइव प्रसारण स्टार स्पोर्ट्स नेटवर्क पर किया जाएगा।

आर्थिक/वाणिज्य/विज्ञान/
प्रमुख समाचार

ब्याज दरें बढ़ाने में भारत दुनिया में छठे स्थान पर

नई दिल्ली। दुनिया के शीर्ष देशों में ब्याज दरों को बढ़ाने के मामले में भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) छठे स्थान पर है। अमेरिका पहले स्थान पर है। पिछले साल से महंगाई पर लगाम लगाने के लिए केंद्रीय बैंकों ने दरें बढ़ाने का तरीका अपनाया था। इसके बावजूद ज्यादातर देशों में महंगाई अभी भी उनके तय दायरे से ऊपर ही बनी हुई है। पिछले साल मई से लेकर अब तक आरबीआई ने रेपो दर में 2.50 फीसदी की वृद्धि की है। अप्रैल में होने वाली मौद्रिक नीति समिति (एमपीसी) की बैठक में एक बार फिर से दरों में 0.25 फीसदी वृद्धि का अनुमान है। ऐसे में यह 2.75 फीसदी हो जाएगी। रॉयटर्स के सर्वे में अर्थशास्त्रियों ने कहा कि आरबीआई अप्रैल में रेपो दर को 0.25 फीसदी बढ़ाकर सात साल के उच्च स्तर तक ले जा सकता है। कुछ अर्थशास्त्रियों ने कहा, केंद्रीय बैंक आक्रामक रुख को वापस ले लेगा।

रिन्यूएबल एनर्जी लक्ष्य पाने के लिये 2029 तक 540 अरब डॉलर के निवेश की जरूरत

नईदिल्ली। देश को रिन्यूएबल एनर्जी स्त्रोतों से बिजली उत्पादन लक्ष्य को हासिल करने के लिये 2020 से 2029 के बीच 540 अरब डॉलर के निवेश की जरूरत है। साख निर्धारण एजेंसी एसएंडपी ग्लोबल रेटिंग्स ने गुरुवार को यह बात कही। उसने यह भी कहा कि निजी क्षेत्र की अगुवाई में ऊर्जा बदलाव नये चरण में प्रवेश कर रहा है। भारत ने कार्बन उत्सर्जन को 2070 तक शुद्ध रूप से शून्य स्तर पर लाने का लक्ष्य रखा है। इसे हासिल करने के लिये उसने 5,00,000 मेगावॉट हरित ऊर्जा क्षमता स्थापित करने का लक्ष्य रखा है। इसमें से आधी बिजली नवीकरणीय ऊर्जा स्त्रोतों से आएगी। इससे कार्बन उत्सर्जन में एक अरब टन की कमी आएगी और उत्सर्जन गहनता जीडीपी (सकल घरेलू उत्पाद) के 45 फीसदी पर आने का अनुमान है।

लंबे इंतजार के बाद आज आएगी विदेश व्यापार नीति

नईदिल्ली। मौजूदा विदेश व्यापार नीति (एफटीपी) की अवधि 3 साल बढ़ाने के बाद केंद्र सरकार 31 मार्च को बहुप्रतीक्षित विदेश व्यापार नीति लाने वाली है। इसमें निर्यात केंद्र के रूप में जिलों को विकसित करने, ई-कॉमर्स, कारोबार सुगमता को प्रोत्साहन देने पर जोर होगा। मौजूदा नीति 31 मार्च तक वैध है। वस्तुओं और सेवाओं के निर्यात को प्रोत्साहन देने के लिए एफटीपी एक समग्र नीतिगत रणनीति होती है, जिसमें भारत के विदेश व्यापार की दीर्घावधि रणनीति का खाका होगा। वस्तुओं और सेवाओं के 2 लाख करोड़ डॉलर के निर्यात का लक्ष्य हासिल करने का खाका भी पेश किया जाएगा। अब तक विदेश व्यापार नीति में भारत से वस्तुओं के निर्यात को प्रोत्साहन देने के लिए 5 साल की रणनीति बनाई जाती थी।

एयर इंडिया ने एसबीआई और बैंक ऑफ बडौदा से जुटाए 14,000 करोड़ रुपये

नईदिल्ली। एयर इंडिया ने भारतीय स्टेट बैंक और बैंक ऑफ बड़ौदा से पुराने लोन और नए लोन के रिफाइनेंस से 14,000 करोड़ रुपये जुटाए हैं। 'मिंट' की एक रिपोर्ट के अनुसार आपातकालीन क्रेडिट लाइन गारंटी योजना (ECLGS) के माध्यम से 1,500 करोड़ रुपये और मौजूदा लोन के पुनर्वित्त के माध्यम से 12,500 करोड़ रुपये जुटाए गए हैं। ECLGS को सबसे पहले छोटे व्यवसायों की मदद के लिए कोविड-19 महामारी के दौरान पेश किया गया था, लेकिन बाद में इसे अन्य क्षेत्रों में भी विस्तारित किया गया। रिपोर्ट में कहा गया है कि फंड का इस्तेमाल एयरलाइन द्वारा घरेलू और अंतरराष्ट्रीय बाजारों में विस्तार के लिए किया जाएगा। एयरलाइन ने बोइंग और एयरबस से हाल ही में 470 विमानों के ऑर्डर घोषणा की थी।

नवाचार के साथ डिजिटल कौशल की दरकार

जयंतीलाल भंडारी

हाल ही में केंद्रीय वाणिज्य मंत्री पीयूष गोयल ने 'रायसीना डायलॉग 2023' सम्मेलन में कहा कि भारत ने वित्त वर्ष 2020-21 में वस्तु एवं सेवा निर्यात क्षेत्र में 676 अरब डॉलर मूल्य का रिकॉर्ड निर्यात किया है। वित्त वर्ष 2022-23 में भारत से निर्यात 750 अरब डॉलर मूल्य की ऊंचाई पर पहुंचने की उम्मीद है। उन्होंने यह भी कहा कि वर्ष 2030 तक भारत का निर्यात 2,000 अरब डॉलर यानी दो लाख करोड़ डॉलर के पार तक पहुंच सकता है।

यह कोई छोटी बात नहीं है कि वैश्विक आर्थिक संकट और वैश्विक निर्यात चुनौतियों के बीच भी भारत से निर्यात बढ़ रहे हैं। यदि हम उत्पाद निर्यात के नए आंकड़ों का विश्लेषण करें, तो पाते हैं कि प्रमुख रूप से अमेरिका, संयुक्त अरब अमीरात, चीन,

बांग्लादेश व नीदरलैंड को बड़े पैमाने पर निर्यात किए गए हैं। निर्यात उत्पादों के मद्देनजर पेट्रोलियम उत्पादों, इलेक्ट्रॉनिक उत्पाद, इंजीनियरिंग उत्पाद, चमड़ा, कॉफी, प्लास्टिक, रेडीमेड परिधान, मांस एवं दुग्ध उत्पाद, समुद्री उत्पाद और तंबाकू की निर्यात वृद्धि में अहम भूमिका रही है। साथ ही उच्च इंजीनियरिंग निर्यातों, परिधान और वस्त्र निर्यात आदि से संकेत मिलते हैं कि यह धारणा धीरे-धीरे बदल रही है कि भारत प्राथमिक जिंसों का ही बड़ा निर्यातक है। अब भारत द्वारा अधिक से अधिक मूल्यवर्धित और उच्च गुणवत्ता वाले सामान का भी निर्यात किया जा रहा है।

यह भी महत्वपूर्ण है कि भारत विश्व पटल पर कृषि निर्यात के नए उभरते हुए देश के रूप में उपस्थिति दर्ज करते हुए मानवता के आधार पर दुनिया के जरूरतमंद देशों के लिए खाद्यान्न की आपूर्ति भी सुनिश्चित कर रहा है। भारत से खाद्य पदार्थों-अनाज, गैर-बासमती चावल, गेहूं, बाजरा, मक्का और अन्य मोटे अनाज के अलावा फलों एवं सब्जियों के निर्यात में भारी वृद्धि देखी गई है। खास बात यह है कि कोविड-19 के कारण भारत के सेवा निर्यात में महत्वपूर्ण वृद्धि हुई है।

इसमें कोई दो मत नहीं है कि पिछले वर्ष 2022 में देश से निर्यात बढ़ाने में भारत द्वारा संयुक्त अरब अमीरात और ऑस्ट्रेलिया के साथ किए गए मुक्त व्यापार समझौतों (एफटीए) की भी प्रभावी भूमिका रही है।

यह भी भारत की बढ़ती हुई वैश्विक निर्यात साख की सफलता है कि भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) ने जुलाई, 2022 में डॉलर पर निर्भरता कम करने और निर्यात बढ़ाने के लिए विदेशी व्यापार का लेन-देन रुपये में करने का प्रस्ताव किया था। 15 मार्च तक रूस, मॉरिशस व श्रीलंका के द्वारा भारतीय रुपये में विदेशी व्यापार शुरू करने के बाद अब तक 18 देशों के बैंकों ने रुपये में व्यापार करने के लिए विशेष वोस्ट्रो खाते खोले हैं। दुनिया के 35 से अधिक देशों ने रुपये में व्यापार करने में रुचि दिखाई है। इससे भारत को निर्यात के मोर्चे पर बड़ा लाभ मिलेगा।

अब देश को निर्यात आधारित अर्थव्यवस्था बनाने के लिए हमें कई बातों पर ध्यान देने की जरूरत है। इनमें यूरोपीय संघ, ब्रिटेन, कनाडा, खाड़ी सहयोग परिषद (जीसीसी) के छह देशों, दक्षिण अफ्रीका, अमेरिका और इस्राइल के साथ एफटीए के लिए वार्ताएं शामिल हैं। रिजर्व बैंक ने डिजिटल रुपये की जो प्रायोगिक शुरुआत की है, उसे विस्तार देने की जरूरत है। निर्यात बढ़ाने के लिए 'आत्मनिर्भर भारत' अभियान में मैन्यूफैक्चरिंग के तहत चिन्हित 24 सेक्टर को प्राथमिकता के साथ तेजी से आगे बढ़ाए जाने की जरूरत है।

देश से निर्यात बढ़ाने के लिए अर्थव्यवस्था के डिजिटलीकरण की रफ्तार तेज करने, शोध व नवाचार तथा श्रमशक्ति को नई डिजिटल कौशल से सुसज्जित करने की राह पर तेजी से आगे बढ़ना होगा। ऐसे विभिन्न रणनीतिक प्रयासों से ही भारत निर्यात आधारित अर्थव्यवस्था बन सकता है और 2030 तक वस्तुओं एवं सेवाओं के निर्यात के लिए निर्धारित किए गए 2,000 अरब डॉलर का महत्वाकांक्षी लक्ष्य हासिल किया जा सकता है।

क्या कांग्रेस को मिल गई मनचाही मुराद

राज कुमार सिंह

मानहानि मामले में राहुल गांधी को दो वर्ष की सजा सुनाए जाने और इसी वजह से उनकी लोकसभा सदस्यता रद्द होने की तात्कालिक व्याख्या राजनीतिक आपदा के रूप में की जा सकती है। राष्ट्रीय अध्यक्ष भले ही मल्लिकार्जुन खरगे हों, पर राहुल कांग्रेस के स्वाभाविक और सर्वस्वीकार्य नेता हैं। भारत जोड़ो यात्रा से उनकी छवि सुधरती दिखाई दी और कांग्रेस उत्साहित नजर आई। उत्साह इतना ज्यादा था कि कांग्रेस ने विपक्षी एकता की कवायद में जुटे क्षेत्रीय दलों को तेवर दिखाने भी शुरू कर दिए। लेकिन जिन राहुल के चेहरे के सहारे यह किया गया, वह न सिर्फ संसद सदस्यता से अयोग्य घोषित कर दिए गए हैं, बल्कि उनके आठ साल तक चुनाव न लड़ पाने की भी स्थिति है। ऊपरी अदालत से राहत न मिलने की स्थिति में जब राहुल चुनाव तक नहीं लड़ पाएंगे तो प्रधानमंत्री पद की दावेदारी का सवाल ही नहीं उठता। ऐसे में सवाल यह है कि क्या कांग्रेस इस कानूनी आपदा को राजनीतिक अवसर में बदल पाएगी? यह आसान तो किसी भी सूरत में नहीं होगा। लेकिन कांग्रेस की संभावनाएं मानहानि मामले में कानूनी लड़ाई की परिणति पर भी निर्भर करेंगी। अगर ऊपरी अदालत राहुल गांधी की सजा और दोषसिद्धि पर रोक लगा देती है तो उनकी लोकसभा सदस्यता बहाल हो जाएगी। उस स्थिति में वह आने वाले चुनाव लड़ने के लिए भी स्वतंत्र होंगे ही। अगर कानूनी कार्यवाही की अंतिम परिणति दोषमुक्ति या सजा कम हो जाने के रूप में हुई, तब भी कांग्रेस को राहुल को लोकतंत्र और जन संघर्ष का नायक बताते हुए नरेंद्र मोदी सरकार और बीजेपी के विरुद्ध आक्रामक राजनीतिक अभियान चलाने का अवसर मिल जाएगा। विदेश में राहुल गांधी ने देश के हालात के बारे में जो कहा, उससे असहमति हो सकती है, लेकिन इससे इनकार नहीं किया जा सकता कि वह मोदी सरकार पर सबसे तीखा हमला करने वाले विपक्षी नेता हैं। सच यह भी है कि सुप्रीम कोर्ट द्वारा जांच कमेटी बना दिए जाने के तर्क के सहारे भले ही केंद्र सरकार जेपीसी बनाने से इनकार करती रहे, पर अडाणी प्रकरण में जो तथ्य सामने आ रहे हैं और सत्तापक्ष जिस तरह इस विवादास्पद औद्योगिक घराने का बचाव कर रहा है, उससे संदेह के साये गहरे ही हो रहे हैं। नहीं भूलना चाहिए कि चुनावी राजनीति में सच से भी ज्यादा महत्वपूर्ण और प्रभावी जन धारणा होती है।

यह जन धारणा का ही परिणाम था कि राजीव गांधी की प्रचंड बहुमत से बनी सरकार बोफोर्स के बवंडर में न सिर्फ हिल गई, बल्कि चुनाव में ढह भी गई थी। तब 1437 करोड़ रुपये के बोफोर्स तोप सौदे में 60 करोड़ रुपये घूस का आरोप लगा था और सोनिया गांधी के मूल देश इटली के व्यापारी ओटावियो क्वात्रोची के सहारे विपक्ष ने प्रधानमंत्री को संदेह के दायरे में खड़ा कर दिया था। राजीव संसद से सड़क तक सफाई देते रहे कि स्वीडन से हुए बोफोर्स सौदे में कोई दलाली नहीं दी गई, पर उन्हीं के बागी मंत्री वी पी सिंह समेत विपक्ष द्वारा लगाए गए आरोपों से जन धारणा बनी कि दाल में कुछ तो काला है। राजा नहीं फकीर है,भारत की तकदीर है- के नारों के बीच वी पी सिंह तो जन सभाओं में अपने कुर्ते की जेब में हाथ डालते हुए दावा करते थे कि दलालों के नाम उनके पास हैं, एक बार सरकार बन जाए तो सार्वजनिक कर देंगे। विपक्षी एकता और बीजेपी-वाम मोर्चा के समर्थन से वी पी सिंह सरकार बनी, और लगभग एक साल चली भी, लेकिन बोफोर्स दलालों के नाम पता नहीं चले। हां, जीवन के अंतिम चरण में वही वी पी सिंह, सोनिया गांधी की प्रशंसा अवश्य करते सुने गए। इस बीच केंद्र में विभिन्न दलों की सरकारें आई-गईं, अदालतों में जांच एजेंसियों के सुर भी उनके अनुसार बदलते रहे, पर क्या आज भी कोई सप्रमाण बता सकता है कि बोफोर्स में किसको कितनी दलाली दी गई? अब मानहानि मामले की दूसरी परिणति की संभावना की बात करते हैं। राहुल गांधी के दोषारोपण और सजा के विरुद्ध ऊपरी अदालत में अपील की बात तो स्पष्ट तौर पर कही जा चुकी है, पर वहां से अपेक्षित राहत नहीं मिली तो? कांग्रेस के अंदर एक वर्ग हमेशा प्रियंका गांधी-वाड्रा को आगे लाने की फिराक में रहता है। फैसला तो कांग्रेस को या स्पष्ट कहें तो सोनिया गांधी को ही करना है, पर ऐसा करना पार्टी के लिए अंतत: आत्मघाती ही साबित होगा। कांग्रेस पर लगता रहा परिवारवाद का ठप्पा गांधी परिवार के बाहर से कांग्रेस अध्यक्ष की राहुल की जिद से बमुश्किल हटा है। प्रतीकात्मक रूप से ही सही, चुनाव से आंतरिक लोकतंत्र का संदेश भी गया है। प्रियंका को राहुल की जगह लाने से सब किए-कराए पर पानी फिर जाएगा। रॉबर्ट वाड्रा के रूप में बीजेपी को एक चिर-परिचित हथियार कारगर हमले के लिए मिल जाएगा, सो अलग।

भाजपा को डर क्यों नहीं लग रहा?

ललित गर्ग

दशकों तक भारत पर राज करने वाले गांधी परिवार के राजनीतिक वारिस राहुल गांधी को आपराधिक मानहानि के मामले में अदालत ने सजा सुनाई तो कांग्रेस देशभर में सड़कों पर हंगामा कर रही है, गांधी की समाधि पर सत्याग्रह कर रही है, कांग्रेस एवं उसके तथाकथित सत्याग्रही नेता क्यों नहीं सत्य को समझ रहे कि सजा मोदी सरकार ने नहीं, सूरत की एक कोर्ट ने सुनाई है। क्या कांग्रेस का 'सत्याग्रह' का आग्रह कहीं अधिक स्पष्टता से 'दुराग्रह' को उजागर नहीं कर रहा है? महात्मा गांधी ने भारत को एकजुट करने के लिए लड़ाई लड़ी, सत्याग्रह को हथियार बनाया। जबकि राहुल गांधी भारत का, गरीब और कमजोर समुदायों, सिख समुदाय और संविधान का अपमान करने के लिये सत्याग्रह का सहारा ले रहे हैं। वे यह सब करते हुए स्वयं को सत्याग्रही कैसे मान सकते हैं?

कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी की लोकसभा सदस्यता समाप्त होने के विरुद्ध कांग्रेस द्वारा किए जा रहे सत्याग्रह पर जहां भाजपा ने प्रश्न खड़े किए हैं, वहीं तमाम विपक्षी दल उनके साथ खड़े हो गये हैं। महात्मा गांधी के सत्याग्रह और कांग्रेस के इस सत्याग्रह में उतना ही अंतर है, जितना पंचतंत्र के भगत और बगुला भगत में। यह तथाकथित सत्याग्रह अहंकार का प्रदर्शन है। प्रश्न है कि यह कथित सत्याग्रह किसके विरुद्ध है? नियम के तहत राहुल गांधी को अयोग्य घोषित होना पड़ा है, उसके विरुद्ध है? गांधीजी का सत्याग्रह भारत को आजादी दिलाने के लिये था। गांधी के अनुसार, राजनीतिक साधनों की शुद्धता उतनी आवश्यक है जितनी कि श्रेष्ठता। गांधीजी ने कहा, 'साधन एक बीज की तरह है और उद्देश्य एक पेड़ की तरह। साधन तथा उद्देश्य में वही सम्बन्ध है, जो बीज और पेड़ में। मैं शैतान की पूजा करके ईश्वर भजन के फल को प्राप्त नहीं कर सकता।' उनके अनुसार, 'यदि कोई व्यक्ति साधनों का ध्यान रखता है, तो उद्देश्य स्वयं अपना ध्यान रखेंगे। न केवल साध्य वरन् साधन भी शुद्ध ही होना चाहिए। उचित उद्देश्यों की प्राप्ति के लिए मनुष्य को उचित साधन ही प्रयुक्त करने चाहिए। नीच साधनों से विश्व को कभी स्थायी सुख व सफलता प्राप्त नहीं हो सकती।' साधनों की श्रेष्ठता में उनका कितना विश्वास था, यह उनके इस कथन से स्पष्ट है, 'मैंने देश की स्वतन्त्रता के लिए अपना समस्त जीवन लगाया है। फिर भी यदि यह मुझे हिंसा द्वारा ही मिल सकती है, तो मैं इसे नहीं लेना चाहता।' असत्य एवं गलत का साथ देते हुए सत्याग्रह के नाम पर

देशभर में सड़कों पर हंगामा करने वालों को गांधी के कहे शब्दों का मनन करना चाहिए।

राहुल एवं कांग्रेस को सत्याग्रह का प्रयोग करने से पहले इसके वास्तविक दर्शन को समझना चाहिए। अन्यथा गांधी को तो कांग्रेस ने आजादी के बाद कदम-कदम पर भुनाने की कुचेष्टाएं ही की हैं। गांधीजी ने अपना पहला सत्याग्रह 1906 में ट्रांसवाल में सामाजिक कारणों से किया था, जबकि राहुल गांधी अपने लिए, अपने निजी कारण से, न्यायालय के द्वारा सजायाफ्ता होने के बाद न्यायालय के विरुद्ध करते हुए दिखाई दे रहे हैं। इससे अधिक दुराग्रह और दंभ सत्याग्रह के आवरण में संभव नहीं है। यह उद्दंडता और निर्लज्जता है। यह आग्रह, पूर्वाग्रह एवं दुराग्रह की चरम पराकाष्ठा है। स्पष्टत: राजनीतिक समस्याओं की जड़ झूठ है। बोलने वाले झूठ से जीने वाला झूठ ज्यादा खतरनाक होता है। झूठे आश्वासन, झूठी योजना, झूठे आदर्श, झूठी परिभाषा, झूठा हिसाब, झूठे रिश्ते। चिन्तन में भी झूठ, अभिव्यक्ति में भी झूठ। यहां तक कि झूठ ने पूर्वाग्रह का ही नहीं दुराग्रह का रूप भी ले लिया है। एक झूठ के लिए सौ झूठ और उसे सही ठहराने के लिए अनेक तर्क, अनेक आन्दोलन और फिर सत्याग्रह का स्वांग। लगता है राजनीति के शीर्ष लोग झूठ बोलते ही नहीं, झूठ को ओढ़ भी लेते हैं।

आज का राजनीतिक जीवन माल गोदाम में लटकती उन बाल्टियों की तरह है जिन पर लिखा हुआ तो आग है पर उनमें भरा हुआ है पानी और मिट्टी। आर्थिक झूठ को सहन किया जा सकता है लेकिन नीतिगत झूठ का धक्का कोई समाज या राष्ट्र सहन नहीं कर सकता। राहुल गांधी को महात्मा गांधी के सत्याग्रह का सहारा लेना है तो उन्हें वैसा चरित्र बनाना होगा। क्योंकि सत्य को स्वीकार नहीं करना भी झूठ को मान्य करना है। एक वर्ग पर जब दोषी होने का आरोप लगाया जाता है तब दूसरा वर्ग मौन रहता है। दरअसल, राहुल गांधी की सांसदी जानने के बाद वो पार्टियां और नेता भी कांग्रेस के समर्थन में आ गए जो उसका मुखर विरोध किया करते हैं। मसलन भारत राष्ट्र पार्टी, आम आदमी पार्टी और तृणमूल कांग्रेस ने बीजेपी की जमकर आलोचना की। आप संयोजक और दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने तो यहां तक कहा कि बीजेपी सरकार ब्रिटिश शासन से भी ज्यादा अत्याचारी है। ये सभी राहुल गांधी के पिच पर आकर 'लोकतंत्र को खत्म करने' वाला राग ही अलाप रहे हैं। ऐसा प्रतीत होता है कि राहुल की सजा का मुद्दा विपक्ष के लिये जैसे सत्ता प्राप्त करने की सीढ़ी हो। इसीलिये समूचा विपक्ष आपसी मतभेद भूलकर एकजुट होने की तरफ बढ़ा रहा है, इन बढ़ते कदमों से बीजेपी में घबराहट होनी चाहिए, लेकिन ऐसा है नहीं। बल्कि वो चाहती ही है कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के सामने राहुल गांधी का चेहरा उभरे ताकि चुनावों में उसकी बढ़त बरकरार रहे। कर्नाटक और मध्य प्रदेश में बीजेपी के खिलाफ सत्ताविरोधी लहर जड़ पकड़ रही है। ऐसे में मोदी बनाम राहुल के शोर से बीजेपी की जमीन वापस मिल सकती है। बीजेपी की इस सोच के पीछे जमीनी सच्चाई भी है, और सत्य भी है।

राजनीति भी मूल्यों पर चले तो ही सार्थक है, सहज एवं महत्वपूर्ण है पर उन्मादी/अतिवादी राजनीति विभिन्न दलों को सत्य के हाशिये के बाहर ले जाती है। आज जो सवाल देश के सामने है उसका उत्तर कांग्रेस नेतृत्व सच्चाई से नहीं देना चाहती। कांग्रेस हो या अन्य राजनीतिक दल, झूठ को सत्य बनाकर परोसने के कारण ही आज देश वहां पहुंच गया जहां उसे नहीं पहुंचना चाहिए था। यह स्थिति केवल इसलिए उत्पन्न हुई कि राजनीतिज्ञ वोट की राजनीति के लिए जैसी अनुकूलता चाहते हैं, वैसी सच्ची बात कहकर पैदा नहीं कर सकते। परिणामस्वरूप राष्ट्रीय मानसिकता आज उसी स्तर पर पहुंच गई जहां देश के विभाजन के समय थी। जब देश का आम व्यक्ति कानून का पालन करता है। नोटिस मिलने पर जांच एजेंसी के समक्ष हाजिर होता है। सजा सुनाये जाने पर जेल जाता है या उस फैसले को चुनौती देता है तो वीआईपी व्यक्ति ऐसा क्यों नहीं करता?

भारतीय राजनीति का कलेवर ही कुछ ऐसा है कि सच और झूठ की शक्तियों के बीच परस्पर संघर्ष निरन्तर चलता रहता है। कभी झूठ और कभी सच ताकतवर होता रहता है पर असत्य का कोई अस्तित्व नहीं होता और सत्य कभी अस्तित्वहीन नहीं होता। समाज की सत्य के प्रति तड़प सार्वजनिक/सामूहिक अभिव्यक्ति कर्म के स्तर पर हो तो लोगों की सोच में आमूल परिवर्तन खुद-ब-खुद आयेगा। एक समानता दोनों में है कि न झूठ छुपता है और न सत्य छुपता है। दोनों की अपनी-अपनी चाल है। कोई शीघ्र व कोई देर से प्रकट होता है। झूठ जब जीवन का आवश्यक अंग बन जाता है तब पूरी पीढ़ी शाप को झेलती, सहती और शर्मसार होकर लम्बे समय तक बर्दाश्त करती है। झूठ के इतिहास को गर्व से नहीं, शर्म से पढ़ा जाता है। आज हमें झण्डे, प्रदर्शन और नारे नहीं सत्य की पुन: प्रतिष्ठा चाहिए। हर लड़ाई झूठ से प्रारम्भ होती है पर उसमें जीत सत्य से ही होती है। यह बात राहुल गांधी को समझनी होगी और उनका साथ देने वाले राजनीतिक दलों एवं उनके नेताओं को भी। इसी से विपक्ष सक्षम एवं समर्थ बन सकेगा।

विदेश में राहुल गांधी ने देश के हालात के बारे में जो कहा, उससे निश्चित ही जन-जन की असहमति ही हो सकती है, सत्ता के मोह ने, वोट के मोह ने शायद राहुल के विवेक का अपहरण कर लिया है। ऐसा लगता है कहीं कोई स्वयं शेर पर सवार हो चुका है तो कहीं किसी नेवले ने सांप को पकड़ लिया है। न शेर पर से उतरते बनता है, न सांप को छोड़ते बनता है। धरती पुत्र, जन रक्षक, पिछड़ों के मसीहा और धर्मनिरपेक्षता के पक्षधर का मुखौटा लगाने वाले आज जन विश्वास का हनन करने लगे हैं। जनादेश की परिभाषा अपनी सुविधानुसार करने लगे हैं।

भारतीय ज्ञान परंपरा....

योगतत्त्वापनिषद् (भाग-02)

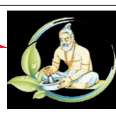

गतांक से आगे...

तत्पश्चात् उस कुटी को गाय के गोबर से लीपकर शोभनीय बनाये तथा ठीक तरह से स्वच्छ करे और प्रयत्नपूर्वक खटमल, मच्छर, मकड़ी आदि जीवों से रहित करे। प्रतिदिन उस (कुटिया) को झाड़-बुहार करके स्वच्छ करता रहे एवं साथ ही उसे धूप, गूगल आदि की धूनी देकर सुवासित भी करता रहे। जो न तो बहुत अधिक ऊँचा तथा न ही अतिनीचा हो, ऐसे वस्त्र, मृगचर्म या कुश के आसन पर बैठकर पद्मासन लगाना चाहिए।

शरीर को सीधा रखकर, हाथ जोड़ते हुए इष्ट देवता को प्रणाम करे, तत्पश्चात् दाँयें हाथ के अंगूठे से पिंगला को दबाकर शनै:-शनै: वायु को भीतर की ओर खींचे तथा उसे यथा शक्ति रोककर कुम्भक करे। तत्पश्चात् पिंगला द्वारा उस वायु को सामान्य गति से बाहर निकाल देना चाहिए। इसके बाद पिंगला से वायु को पेट में पुन: भरकर, शक्ति के अनुसार ग्रहण करके रेचक करे। इस प्रकार जिस तरफ के नथुने से वायु बाहर निकाले, उसी तरफ से पुन: भरकर दूसरे नथुने से बाहर निकालता रहे। न तो अत्यन्त द्रूतगति से और न ही अत्यन्त धीमी गति से, वरन् सहज-सामान्य गति से जानु की प्रदक्षिणा करके एक चुटकी बजाए, इतने समय को एक मात्रा कहा जाता है। सर्वप्रथम इड़ा में सोलह मात्रा तक वायु को खींचे, तत्पश्चात् चौंसठ मात्रा तक कुम्भक करे और तब इसके बाद बत्तीस मात्रा तक पिंगला नाड़ी से रेचक करे। इसके बाद दूसरी बार पिंगला से वायु खींचकर पहले की भाँति ही सारी क्रिया सम्पन्न करे।

प्रात:, मध्यांह, सायंकाल एवं अर्द्धरात्रि के समय चार बार धीरे-धीरे क्रमश: अस्सी कुम्भक तक का अभ्यास बढ़ाना चाहिए। इस तरह से तीन मास तक अभ्यास करने से नाड़ी शोधन हो जाता है। ऐसी शुद्धि होने से उस (श्रेष्ठ साधक) के चिह्न भी योगी की देह में दृष्टिगोचर होने लगते हैं। वे चिह्न ऐसे हैं कि शरीर में हल्कापन मालूम पड़ता है, जठराग्नि तीव्र हो जाती है, शरीर भी निश्चित रूप से कृश हो जाता है। ऐसे समय में योग में बाधा पहुँचाने वाले आहार का परित्याग कर देना चाहिए। नमक, तेल, खटाई, गर्म, रूखा, तीक्ष्ण भोजन, हरे साग, हींग आदि मसाले, आग से तापना, स्त्री प्रसंग, अधिक चलना, प्रात: काल का स्नान, उपवास तथा अपने शरीर को पीड़ा पहुँचाने वाले अन्य कार्यों को प्राय: त्याग ही देना चाहिए। अभ्यास की प्रारम्भिक अवस्था में दुग्ध, घृत का भोजन ही सर्वश्रेष्ठ है। गेहूँ, मूंग एवं चावल का भोजन योग में वृद्धि प्रदान करने वाला बतलाया गया है। इस प्रकार अभ्यास करने से वायु को इच्छानुसार धारण करने की शक्ति प्राप्त हो जाती है।

यथेष्ट वायु धारण कर सकने के उपरान्त केवल कुम्भक सिद्ध हो जाता है और तब रेचक और पूरक का परित्याग कर देना चाहिए। (ऐसा कर लेने के बाद) फिर उस (श्रेष्ठ) योगी के लिए तीनों लोकों में कभी कुछ भी दुर्लभ नहीं रहता। अभ्यास के समय जो पसीना निकले, उसे अपने शरीर में ही मल लेना चाहिए ॥ इसके अनन्तर वायु की धारणा शक्ति निरन्तर शनै:-शनै: बढ़ती रहने से आसन पर बैठे हुए साधक के शरीर में कम्पन होने लगता है ।

क्रमश:....

भारत में डाक सेवा का पहला कार्यालय आज खुला

डाक प्रणाली की स्थापना 1774 में वारेन हेस्टिंग्स ने पोस्टमास्टर जनरल के अधीन कलकत्ता जीपीओ की नींव रखकर की। अन्य दो प्रेसिडेंसियों मद्रास तथा मुंबई में भी 1786 तथा 1793 में जनरल पोस्ट ऑफिस खोले गए, लेकिन एक समान संचार व्यवस्था के लिए तीनों प्रेसिडेंसियों को 1837 के अखिल भारतीय डाक सेवा अधिनियम द्वारा एक कर दिया गया। पुन: 1 अक्टूबर, 1854 के डाकघर अधिनियम के द्वारा डाक प्रणाली में आमूल-चूल परिवर्तन किया गया। अत: वर्तमान डाक प्रणाली की नींव 1 अक्टूबर, 1854 को डाली गई। वर्तमान में भारतीय डाकघर अधिनियम 1898 देश में डाक सेवाओं को नियंत्रित कर रहा है।

इस समय हमारे देश में 156,721 डाकघरों का विशाल तंत्र है, जो विश्व में सबसे बड़ा है। इसमें से तीन-चौथाई से भी अधिक डाकघर ग्रामीण क्षेत्रों में स्थापित हैं। यह वर्तमान में उत्तर पूर्वी क्षेत्रों में विमान सेवा द्वारा संग्रह तथा परिवहन के साथ बड़ी डाक सेवाओं की डिलीवरी प्रदान कर रहा है। इस प्रकार भारतीय डाक अपने समक्ष उत्पन्न कोरियर कंपनियों से स्वस्थ स्पर्धा कर अपनी

गुणवत्ता तथा क्षमता को बढ़ा रही है। सूचना-तकनीक का प्रयोग कर भारतीय डाक विभाग ने वर्ष 2001 में अत्याधुनिक डाक सेवा प्रारंभ किया है, जिसे 'ई पोस्ट' नाम दिया गया है। इसके अंतर्गत प्रेषित संदेशों को कुछ ही घंटों में डाक विभाग द्वारा संबंधित व्यक्ति तक पहुंचाया जाता है। यह सेवा भारतीय डाक के इतिहास में मील का पत्थर सिद्ध हुई है तथा इसके साथ ही हम विश्व की आधुनिक डाक सेवाओं में सम्मिलित हो गए हैं। भारतीय डाक विभाग की परिकल्पना स्वयं को सामाजिक दृष्टि से प्रतिबद्ध तकनीक द्वारा संचालित उद्यम के तरह प्रबंधन तथा आत्मनिर्भर बनाने की है। इसके लिए विशिष्ट ग्राहकों की आवश्यकता को पूरा करने के लिए स्पीड पोस्ट, बिजनेस पोस्ट, मीडिया पोस्ट तथा ई पोस्ट जैसी संचार सेवाओं के साथ ही वित्तीय सेवाएं भी उपलब्ध कराती हैं, जिसमें भारतीय डाक अत्यंत सफल है।

डेढ़ लाख से भी अधिक डाकघरों का जाल तंत्र होने के कारण इनकी पहुंच जन सामान्य तक अत्यंत सुलभ है। यही कारण है कि वार्षिक जमा के संदर्भ में डाक बचत बैंक, भारत में सबसे बड़ा बचत बैंक है। इसकी सबसे बड़ी उपलब्धि जनता में सबसे निचले स्तर से लेकर ऊपरी स्तर तक स्वीकार्यता है। समय के साथ-साथ भारतीय डाक ने जिस प्रकार आधुनिकता तथा नवीन तकनीक को अंगीकार किया है, वह अत्यंत सराहनीय है। इसलिए हम कह सकते हैं कि भारतीय डाक का भविष्य अत्यंत उज्ज्वल है। भारतीय डाक सेवा संपूर्ण राष्ट्र में वहनीय मूल्य पर सूचना आदान प्रदान करने का एक आधारभूत माध्यम है। यह व्यवस्था देश के उन सुदूर गांवों को जोड़ने का एकमात्र साधन है, जो आज भी सूचना तथा संचार क्रांति से वंचित हैं।

विधिवत तौर से 'मैसेंजर पोस्ट सिस्टम' की शुरुआत कुतुबुद्दीन ऐबक ने 1207 ई. में की थी। खिलजी वंश के शासक अलाउद्दीन खिलजी ने 1296 मे इस व्यवस्था को काफी सुधारों के साथ लागू किया। ईस्ट इंडिया कंपनी के वायसराय लार्ड क्लाइव ने 1766 मे देश की पहली विधिवत डाक व्यवस्था स्थापित की।

जी-20 : सतत जलवायु के लिए जल संरक्षण

पंकज कुमार

भारत ने 1 दिसंबर, 2022 को इंडोनेशिया से जी-20 की अध्यक्षता ग्रहण की। जी-20 नेतृत्व, देश को ग्लोबल वार्मिंग, भोजन और ऊर्जा की कमी, आतंकवाद, भू-राजनीतिक संघर्ष और डिजिटल अंतर को कम करने समेत विभिन्न आकस्मिक स्थितियों से मुकाबला करने के लिए दुनिया को भारत के प्रयास तथा वर्तमान स्थिति (इंडिया स्टोरी) को सामने रखने का अवसर प्रदान करता है। दुनिया के सबसे बड़े लोकतंत्र और सबसे तेजी से बढ़ती अर्थव्यवस्था के रूप में, भारत की जी-20 अध्यक्षता; पिछली 17 अध्यक्षता के कार्यकाल की महत्वपूर्ण उपलब्धियों के आधार पर आगे बढ़ने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगी। इस वर्ष की जी-20 थीम एक पृथ्वी, एक परिवार, एक भविष्य; भारत के वसुधैव कुटुम्बकम (विश्व एक परिवार है) के अंतर्निहित दर्शन को पूरी तरह से व्यक्त करती है। यह दर्शन भारत के जी-20 नेतृत्व का मार्गदर्शन करेगा।

पहली जी-20 पर्यावरण और जलवायु स्थिरता कार्य समूह (ईसीएसडब्ल्यूजी) की बैठक एक सकारात्मक परिणाम के साथ संपन्न हुई, जिसमें सभी जी-20 देशों ने भारत की अध्यक्षता के अंतर्गत पर्यावरण, वन और जलवायु परिवर्तन मंत्रालय (एमओईएफएंडसीसी) द्वारा प्रस्तावित विषयों पर अपना समर्थन व्यक्त किया। निम्न उर्वरता भूमि को फिर से उपजाऊ बनाने, समुद्र-तटीय क्षेत्रों में नीली अर्थव्यवस्था के जरिये सतत विकास को बढ़ावा देने,

जैव विविधता को बढ़ाने, जंगल की आग और समुद्री कचरे को रोकने, चक्रीय अर्थव्यवस्था को मजबूत करने आदि विषयों पर हुई गहन चर्चा ने दूसरे शिखर सम्मेलन में अधिक सकारात्मक व दृष्टिगत विचार-विमर्श के लिए मंच तैयार किया है।

जल संसाधन प्रबंधन के सर्वोत्तम तौर-तरीके

अपनी जी-20 की अध्यक्षता के कार्यकाल के दौरान, भारत जलवायु परिवर्तन और जल संकट की चुनौतियों से जुड़े प्रभाव को कम करने के लिए एक एकीकृत, व्यापक और सर्वसम्मति पर आधारित दृष्टिकोण के प्रति आशान्वित है। जल संरक्षण, वास्तव में, भारतीय पहचान और सांस्कृतिक इतिहास का अभिन्न अंग है और वर्तमान समय में यह और अधिक प्रासंगिक हो गया है। पानी की बचत करना, केवल जल संरक्षण से जुड़ा नहीं है, बल्कि यह हम सबकी जरूरतों को पूरा करने के लिए पर्याप्त स्वच्छ पानी की उपलब्धता सुनिश्चित करना है, चाहे समय और स्थान कोई भी हो। भारत सरकार के जल शक्ति मंत्रालय ने कृत्रिम पुनर्भरण और वर्षा जल संचयन के माध्यम से जल संरक्षण को बढ़ावा देने के लिए कई पहलें की हैं। जल जीवन मिशन कार्यक्रम का लक्ष्य, 2024 तक 193 मिलियन से अधिक ग्रामीण परिवारों को नल से पेयजल आपूर्ति की सुविधा प्रदान करना है। हमारे महत्वाकांक्षी नमामि गंगे मिशन ने नदी के कायाकल्प, प्रदूषण में कमी, पारिस्थितिक तंत्र के संरक्षण और नदी बेसिन प्रबंधन के समग्र दृष्टिकोण आदि के सन्दर्भ में मूलभूत बदलाव किये हैं। हाल ही में संयुक्त राष्ट्र ने इसे प्राकृतिक जगत को पुनर्जीवित करने के लिए विश्व के शीर्ष 10 कायाकल्प कार्यक्रमों (रेस्टोरेशन फ्लैगशिप) में से एक के रूप में मान्यता दी है।

अति महत्वपूर्ण जल भंडारण अवसंरचना को जलवायु अनुकूल बनाने के लिए भारत, दुनिया के सबसे बड़े बांध पुनर्वास कार्यक्रम का भी कार्यान्वयन कर रहा है। इसके अलावा, मांग और आपूर्ति पक्ष से जुड़े कार्यक्रमों के संयोजन के माध्यम से भूजल संसाधनों के दीर्घकालिक स्थायित्व सुनिश्चित करने के लिए, अटल भूजल योजना लागू की जा रही है। यह योजना समुदाय के नेतृत्व में, ग्राम पंचायत-वार जल सुरक्षा योजनाओं के माध्यम से वर्तमान में चल रही/नई योजनाओं के संयोजन के जरिये कार्यान्वित की जा रही है। इन प्रयासों और कई अन्य योजनाओं के साथ, भारत वर्ष 2047 तक जल सुरक्षित राष्ट्र बनने के लक्ष्य की ओर निरंतर बढ़ रहा है। इस परिदृश्य में, हम दूसरी जी-20 पर्यावरण और जलवायु स्थिरता कार्य समूह (ईसीएसडब्ल्यूजी) बैठक की मेजबानी करने के लिए उत्सुक हैं। यह बैठक जल संरक्षण और सतत तथा समानता आधारित जल संसाधनों के प्रबंधन पर ध्यान केंद्रित करेगी। हमें उम्मीद है कि जल संसाधन प्रबंधन पर वैश्विक सर्वोत्तम तौर-तरीकों और अभिनव विचारों पर चर्चा करने के लिए बैठक में विभिन्न जी-20 देशों के साथ-साथ अंतर्राष्ट्रीय संगठनों के प्रतिनिधि भाग लेंगे। मुझे विश्वास है कि राष्ट्रीय स्वच्छ गंगा मिशन के तहत नदी कायाकल्प; जलवायु-अनुकूल अवसंरचना; भूजल प्रबंधन; स्वच्छ भारत मिशन और जल जीवन मिशन के माध्यम से स्वच्छता तथा स्वच्छ पेयजल तक सार्वभौमिक पहुंच के लिए रणनीति आदि विषयों पर ध्यान केंद्रित करते हुए होने वाली चर्चाओं से भाग लेने वाले देशों को एक दूसरे से सीखने और सतत विकास लक्ष्यों को हासिल करने में तेजी लाने में मदद मिलेगी।

इतिहास और विरासत गुजरात के पर्याय हैं। गौरवशाली गुजरात में कई प्राचीन शहरों के अवशेषों, महलों, किलों और मकबरे मौजूद हैं, जो राजवंशों के भव्य स्वर्ण युग को दर्शाते हैं। रानी की वाव और अडालज वाव की बावड़ी; प्राचीन जल प्रबंधन प्रथाओं को प्रदर्शित करती हैं तथा ये जल संसाधन संरक्षण के लिए भारत की दीर्घकालिक परंपरा की द्योतक हैं। गुजरात, पुराने और नए पारंपरिक जल ज्ञान तथा जल अवसंरचना निर्माण में उपयोग की जाने वाली आधुनिक तकनीकों के मिश्रण के साथ, 20 देशों को एक मूल्यवान मंच प्रदान करेगा, ताकि प्रत्येक देश का सर्वश्रेष्ठ सामने आ सके और प्रत्येक देश से सीखने का अवसर मिल सके।

गांधी आज

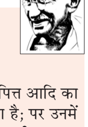

इलाज (भाग-04)

गतांक से आगे...

पुराने लंबे रोग जैसे क्षय, कोढ़, रक्तपित्त आदि का इलाज भी इन तरीकों से किया जा सकता है; पर उनमें अनुभवी व्यक्ति की सलाह और धीरज की ज़रूरत होती है। दवा का सहारा लेने की आदत बुरी है। कोई पुराना रोग दवा से मिटता ही नहीं यह कहने में अतिशयोक्ति नहीं है। डॉक्टरों को चाहिए कि रोगियों को सीधे सादे उपचार सिखाएं और दवा पर उनका विश्वास न जमाएं। डॉक्टरों को दवा पर का विश्वास अक्सर वैसा ही अंधविश्वास होता है जैसा ओझा - सोखा के जंतर-तंतर और झाड़फूँक आदि पर होता है। रोगी को अच्छा करनेवाली तो उसके खून में मौजूद कुदरती प्राणशक्ति ही है। रोग से वह शक्ति हार न जाय तो रोगी बच जाता है। उसे हारने न देने के लिए ऊपर बताए हुए उपचारों को काफी समझना चाहिए। फिर भी रोगी न बचे तो समझना चाहिए कि उसकी आयु समाप्त हो चुकी थी। डॉक्टरों और झाड़फूँकवालों के पीछे दौड़-धूप और पैसों की बरबादी न करनी चाहिए । सोडा बाईकार्ब को दवा मानें तो वह और कभी रेंडी के तेल जैसा जुलाब तथा कुनैन और बाहरी उपचार के लिए आयोडिन -इससे अधिक दवाइयाँ रखने की ग्राम सेवक को ज़रूरत नहीं है, यह कह सकते हैं। इनके अलावा यदि वस्ति (एनिमा) का साधन उसके पास हो तो समझ लेना चाहिए कि उसका औषधालय काफी हो गया।

संक्षिप्त समाचार

नकली मच्छर अगरबत्ती व नायसिल पावडर जब्त,दो गिरफ्तार

रायपुर। पुलिस व ग्राहक की चौकसी के बाद भी नकली बाजार बाजार में खप रहे हैं। गोलबाजार के मिलाप परफ्यूम दुकान में पुलिस ने छापा मारकर बड़ी मात्रा में नकली मच्छर अगरबत्ती जब्त की है। इसी तरह सेजबहार बोरियाकला में छापा मारकर 10 लाख से अधिक का नकली नायसिल पाउडर बरामद किया है। दोनों दुकानदारों के खिलाफ पुलिस ने अपराध दर्ज कर लिया है। सेजबहार के बोरियाकला में रवि दत्तानी ब्रांडेड नायसिल पाउडर के नाम पर नकली पाउडर बनाकर बेच रहा था। इसकी भनक लगते पर कंपनी के अधिकारियों ने सेजबहार थाने में शिकायत की। इसके बाद पुलिस ने रवि के मकान में छापा मारकर नकली नाइसिल पाउडर के डिब्बे, रैपर और रा मटेरियल जब्त किया है। आरोपित रवि और उसके उसके साथी नकली पाउडर को छोटे-छोटे डिब्बे में भर देते थे। इसके बाद उसमें असली जैसे रैपर लगा देते थे। इसके बाद इसे मेडिकल दुकानों और जनरल स्टोर में भी सप्लाई करते थे। गोलबाजार के मिलाप परफ्यूम में मच्छर भगाने वाली अगरबत्ती की ब्रांडेड कंपनी डीसी कम्फोर्ट, जस्ट रिलेक्स, स्लीपवेल के नाम से नकली अगरबत्ती बेची जा रही थी। इसकी सूचना मिलने पर कंपनी के अधिकारी प्रदीप घोष ने गोलबाजार थाने में शिकायत की। इसके बाद पुलिस की टीम ने दुकान में छापा मारा। दुकान में बड़ी मात्रा में तीनों कंपनी के मच्छर अगरबत्ती के मिलते-जुलते रैपर बरामद हुए। मौके से बड़ी मात्रा में केमिकल, स्टीक्स भी बरामद किए गए। आरोपित दुकान संचालक विनोद जसवानी और उसके कर्मचारी कंपनी के नाम से नकली मच्छर अगरबत्ती बनाकर बेच रहा था।

प्रशिक्षण एक अनवरत प्रक्रिया : श्रीमती शम्मी आबिदी

रायपुर। आदिम जाति अनुसंधान एवं प्रशिक्षण संस्थान की आयुक्त सह संचालक श्रीमती शम्मी आबिदी ने आज टीआरटीआई के सभाकक्ष में विभिन्न जिलों से आए मास्टर्स ट्रेनर्स को संबोधित करते हुए कहा कि ''प्रशिक्षण एक अनवरत प्रक्रिया है''। प्रशिक्षण कार्यक्रम में विभिन्न विषय विशेषज्ञों द्वारा दी गई बहुमूल्य जानकारी को ना केवल अपने जिले के जनजातीय समुदाय के प्रतिनिधियों तक पहुंचाना है, बल्कि अपने ज्ञान में भी निरंतर वृद्धि करते रहना है, ताकि एक अच्छे मास्टर्स ट्रेनर की भूमिका अदा कर सकें। उल्लेखनीय है कि टीआरटीआई के तत्वाधान में यह दो दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया गया है, जिसमें संयुक्त राष्ट्र विकास कार्यक्रम द्वारा तकनीकी सहयोग दिया गया है। इसका मुख्य उद्देश्य छत्तीसगढ़ के अनुसूचित क्षेत्रों में पंचायती राज संस्थाओं का प्रभावी प्रशासन और प्रबंधन सुनिश्चित करने हेतु जनजातीय समुदाय के प्रतिनिधियों की क्षमता विकास में सवंर्द्धन करना है। सत्र के प्रथम चरण में श्री विभोर देव द्वारा वन अधिकार अधिनियम, 2006 के अलावा वन अधिकार पत्र वितरण की वर्तमान स्थिति के साथ-साथ सामुदायिक वन अधिकार एवं सामुदायिक वन संसाधन अधिकार के संबंध में भी विस्तार से जानकारी दी गई। विदित हो वन संसाधन अधिकार शासन की प्राथमिकता में है। छत्तीसगढ़ राज्य वन अधिकार पत्र वितरण के मामले में देश के अग्रणी राज्यों में है।

डेंगू मलेरिया के खिलाफ स्वास्थ्य विभाग ने बाजारों में छेड़ी मुहिम

लोहंडीगुड़ा। डेंगू और मलेरिया के प्रति बस्तर जिले के ग्रामीणों को जागरूक करने के लिए स्वास्थ्य विभाग व्यापक अभियान चला रहा है। हल्बी और गोंडी बोली के गीतों तथा रैलियों के जरिए लोगों में जागरूकता लाई जा रही है। साप्ताहिक बाजारों में शिविर लगाकर ग्रामीणों के स्वास्थ्य की जांच की जा रही है और उन्हें दवाएं दी जा रही हैं। राज्य शासन द्वारा चलाए जा रहे मलेरिया मुक्त छत्तीसगढ़ अभियान के तहत कलेक्टर चंदन कुमार के निर्देश पर और मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. आरके चतुर्वेदी के मार्गदर्शन में गांव गांव में लोगों को जागरूक करने के लिए मुहिम चलाई जा रही हैं। इसी क्रम में लोहंडीगुड़ा स्वास्थ्य विभाग द्वारा विकासखंड लोहंडीगुड़ा के ग्राम बिनता के हाट बाजार में स्वास्थ्य जागरूकता रैली निकाली गई। रैली में सीएमओ डॉ. आरके चतुर्वेदी एवं खंड चिकित्सा अधिकारी लोहंडीगुड़ा डॉ एनएस नाग भी पूरे अमले के साथ मौजूद थे। मांदर की थाप पर गीतों और संदेशों के जरिए संस्थागत प्रसव, कुपोषण, मलेरिया, डेंगू, कोरोना एवं अन्य बीमारियों को लेकर जागरूकता लाई गई। वाहन पर लगे लाउड स्पीकर से हल्बी और गोंडी बोली में संदेश देते गीत लगातार बजाए जा रहे थे। ये कर्णप्रिय गीत ग्रामीणों को सहज आकर्षित कर रहे थे। रैली में राज्य सलाहकार मलेरिया डॉ जितेंद्र, जिला मलेरिया अधिकारी जगदलपुर डॉ. एसएस टेकाम, बीपीएम शकुंतला, केपी पाणिग्राही, सुपरवाइजर संजय जोशी, मायाधर जोशी एवं स्वास्थ्य विभाग के अन्य अधिकारी - कर्मचारी भी शामिल थे।

शिविर लगाकर की गई स्वास्थ्य जांच भी

लोहंडीगुड़ा। बिनता गांव के बाजार स्थल के पास विभाग द्वारा स्वास्थ्य शिविर भी लगाया गया। शिविर में बिनता गांव के अलावा बाजार में खरीदारी करने आए अन्य गांवों के ग्रामीणों ने भी अपनी सेहत की जांच कराई। डॉक्टरों ने ग्रामीणों के ब्लड प्रेशर व शुगर लेवल, रक्त की जांच की गई। लोगों का मलेरिया टेस्ट भी किया गया। सर्दी, खांसी, बुखार आदि सामान्य बीमारियों से पीड़ित पाए गए ग्रामीणों को जांच उपरांत दवाएं भी दी गईं।

श्रीराम जन्मोत्सव की राजधानी में धूम

रायपुर। रामनवमी के अवसर पर राजधानी के राम मंदिरों में महोत्सव की धूम है। सभी ओर आरती पूजा महाभिषेक प्रसादी के साथ जयकारे की गूंज ही सुनाई पड़ रही है। मुख्य आयोजनों में वीआईपी रोड स्थित श्रीराम मंदिर,जैतूसाव मठ राम जन्म मनाया जा रहा है। नवरात्रि के आखिरी दिन आज जहां शहर में ज्योत जंवारा निकल रहे हैं वहीं जगह-जगह भंडारे का भी आयोजन किया गया है। कई जगहों पर भजन संध्या का आयोजन भी है। इंडोर स्टेडियम में हनुमानजी का सामूहिक पाठ का एक बड़ा कार्यक्रम भी है शास्त्रों में यह भी कहा गया है कि भगवान श्रीराम का धरती पर जन्म इसी दिन हुआ था। भक्तों के दुख दूर करने और दुष्टों का अंत करने के लिए श्रीराम त्रेता युग में इसी दिन पैदा हुए थे। वासंतिक नवरात्र के नौवें दिन उनका जन्म हुआ था। श्रीराम मध्य दोपहर में कर्क लग्न और पुनर्वसु नक्षत्र में पैदा हुए थे। भगवान राम के जन्म की इस तारीख का जिक्र रामायण और रामचरित मानस जैसे तमाम धर्मग्रंथों में किया गया है इसलिए हम सब रामनवमी के दिन को श्रीराम जन्मोत्सव के रूप में मनाते हैं।

मुख्यमंत्री बघेल और धर्मपत्नी मुक्तेश्वरी ने किया कन्या पूजन।

श्री जलाराम राम मंदिर में राम जन्मोत्सव

राजनांदगांव। भगवान श्री राम का भव्य एवम प्राचीन मंदिर कैलाश नगर में श्री जलाराम राम मंदिर के नाम से प्रसिद्ध स्थल है। यहां प्रभु श्री राम का जन्मोत्सव चैत्र शुक्ल नवमी को बड़ी श्रद्धा, भक्ति के साथ धूमधाम से मनाए जाने की परंपरा है। सुबह 10 बजे से सुमधुर भजनों की अमृत गंगा प्रवाहित होगी, ठीक दोपहर 12 बजे भगवान का जन्मोत्सव होगा। भक्त माता - बहने एवम बंधु भजनों के साथ नृत्य करते हुए जन्मोत्सव का आनंद प्राप्त करेंगे। श्री जलाराम राम मंदिर के आचार्य पंडित मनोज शुक्ला के द्वारा जारी प्रेस विज्ञप्ति में बताया गया है कि प्रभु श्री राम का जन्मोत्सव मंदिर में परंपरागत रूप से मनाया जाता है। इसी के तहत 30 मार्च को सुबह 10 बजे भजन, दोपहर12 बजे जन्मोत्सव आरती, कन्या भोजन एवम भंडारा प्रसादी होगी। रात्रि 07:02 बजे से सुप्रसिद्ध हनुमंत सेवक गणेश मिश्रा की सुमधुर वाणी से संगीतमय श्री सुंदरकांड का पाठ किया जाएगा। श्री शुक्ला ने नगर के धर्मप्रेमी माता - बहनों एवम बंधुओं से आग्रह किया है कि सुबह प्रभु श्री राम जन्मोत्सव एवम रात्रि सुंदरकांड पाठ के समय अधिकाधिक भक्त उपस्थित होकर धर्म लाभ प्राप्त करते हुए मर्यादा पुरुषोत्तम श्री राम का आशीर्वाद एवम कृपा प्राप्त करें।

गृह विभाग के सचिव के नाम का फर्जी पत्र जारी

राखी थाना में रिपोर्ट दर्ज

रायपुर। गृह विभाग के सचिव के नाम का फर्जी पत्र जारी करने का मामला सामने आया है। सभी जिलों के पुलिस अधीक्षकों को फर्जी आदेश पत्र जारी किया गया। इसमें अंधविश्वास फैलाने वालों के खिलाफ कार्रवाई करने कहा गया था। आदेश में राजद्रोह का मामला दर्ज कर कार्रवाई करने के निर्देश दिए गए। मंदिरों में कब्जा कर हिंदू राष्ट्र बनाने वालों के खिलाफ कार्रवाई करने निर्देश दिए गए। आदेश मिलने के बाद पुलिस अधीक्षक को शक होने पर इसकी जानकारी अवर सचिव को दी गई। उनके द्वारा कहा गया कि इस तरह का कोई आदेश जारी नहीं किया गया। इसके बाद उन्होंने राखी थाने में अज्ञात आरोपित के खिलाफ अपराध दर्ज करवाया है। पुलिस मामले की जांच में जुटी है। राखी थाने में छत्तीसगढ़ शासन गृह पुलिस विभाग मंत्रालय महानदी भवन अटल नगर नवा रायपुर में पदस्थ अवर सचिव मनोज कुमार श्रीवास्तव ने रिपोर्ट दर्ज करवाई। उन्होंने पुलिस को बताया कि अवर सचिव के नाम व पदनाम का उल्लेख कर फर्जी दस्तावेज कूटरचित कर इंटरनेट मिडिया में वायरल कर मेरी छवि धूमिल की जा रही है। वायरल फर्जी पत्र में गृह विभाग के सचिव के जरिए इंटरनेट मीडिया वाट्सएप में वायरल हो रहे, एक फर्जी पत्र जो समस्त पुलिस अधीक्षक छत्तीसगढ़ को संबोधित कर विषय कश्मिरी पंडित की तरह पलायन किए कान्यकुंज, सरयुपारिण या अन्य पुजारी ब्राह्मण जो छत्तीसगढ़ के पुरातात्विक मंदिरों में अनाधिकृत कब्जा कर छत्तीसगढ़ में हिंदू राष्ट्र बनाने, पुराजी, अंधविश्वास फैलाने वालों पर राजद्रोह का मामला दर्ज कर कार्रवाई करने की बात कही। इसके बाद अब थाने में अपराध दर्ज कर कार्रवाई की मांग की गई है। पुलिस और साइबर सेल की टीम मामले की जांच में जुट गई है। राखी थाना प्रभारी लक्ष्मी जायसवाल ने बताया कि अवर सचिव की शिकायत पर रिपोर्ट दर्ज की गई है। फर्जी पत्र जारी करने वाले के खिलाफ अपराध कायम कर मामले की जांच की जा रही है।

खेती हेतु ऋण देने हर साल कोआपरेटिव बैंक द्वारा दस्तावेजों की मांग से किसान हलाकान

- **किसान संघर्ष समिति के संयोजक भूपेन्द्र शर्मा ने बैंक के अधिकारियों को सौंपा ज्ञापन**

रायपुर । किसानों की पूंजी पर खड़े केन्द्रीय सहकारी बैंक द्वारा बीते 3 वर्षों से किसानों को खेती हेतु ऋण देने उन दस्तावेजों की मांग की जाती है जिसे की किसान पूर्व में ही उपलब्ध करा चुके हैं और जो बैंक के अभिलेख में उपलब्ध है । इस वर्ष भी ऋण देने की प्रक्रिया शुरू होने के साथ ही पुन: इन दस्तावेजों की मांग किये जाने से केन्द्रीय सहकारी बैंक रायपुर के अधीन आने वाले 550 समितियों के माध्यम से ऋण लेने वाले तकरीबन 4 लाख किसान परेशान व हलाकान हैं । किसानों की परेशानी के मद्देनजर किसान संघर्ष समिति के संयोजक भूपेन्द्र शर्मा ने बैंक के प्राधिकृत अधिकारी पंकज शर्मा , मुख्य कार्यपालन अधिकारी प्रभात मिश्रा व अतिरिक्त महाप्रबंधक एस के चंद्राकर को ज्ञापन सौंप किसानों को इस अनावश्यक परेशानी से निजात दिलाने का आग्रह किया है । ज्ञापन में जानकारी दी गयी है कि बैंक द्वारा अपने अधीनस्थ 29 शाखाओं के अधीन आने वाले 550 समितियों के माध्यम से किसानों को कृषि कार्य हेतु हर वर्ष अल्पकालीन ऋण उपलब्ध कराया जाता है और बीते वर्ष ऋण लेने वाले ऐसे किसानों की संख्या केवल करीब 4 लाख के आसपास थी । ज्ञापन में आगे बतलाया गया है कि पूर्व में ऋण ले चुके सदस्य किसानों द्वारा अपना फोटो , बैंक के पासबुक , आधार कार्ड , परिचय पत्र व पेन कार्ड की प्रति ऋण पुस्तिका व उसके फोटो प्रति के साथ उपलब्ध कराया जा चुका है और जिसके आधार पर ऋण स्वीकृत कर संबंधित किसानों को मुहैय्या कराया जा चुका है तथा ये सभी दस्तावेज बैंक व समितियों के अभिलेख में उपलब्ध है पर इसके बाद भी हर वर्ष की तरह इस वर्ष भी आगामी खरीफ फसल के लिये ऋण देने की प्रक्रिया शुरू करने किसानों को आवेदन के साथ पुन: इन सभी दस्तावेजों को जमा करने के आदेश की वजह से किसानों के परेशान व हलाकान होने की जानकारी देते हुये इन दस्तावेजों की मांग को औचित्यहीन व किसानों को परेशान करने वाला ठहराते हुये इन पर रोक लगाने का आग्रह करते हुये सिर्फ आद्यतन बी -1 की प्रति ही किसानों से मांगने संबंधी परिपत्र जारी कराने का आग्रह किया है ।

नए वित्तीय वर्ष में कई सारी चीजों में बदलाव के साथ करना होगा कदमताल

रायपुर। नया वित्तीय वर्ष 2023-24 की शुरुआत के साथ कई सारी चीजों में बदलाव के साथ कदमताल करना होगा। इन बदलाव का असर आपकी जेब पर पड़ने वाला है। अगर आपने अभी तक वित्तीय वर्ष 2021-22 का रिटर्न जमा नहीं किया है तो करदाता अपना रिटर्न 31 मार्च तक जमा कर सकते है। कर विशेषज्ञों के अनुसार अब सामान्य रूप सेटैक्स जमा करने के लिए 31 जुलाई निर्धारित है और इसके बाद 31 दिसंबर तक रिटर्न जमा किया जा सकता है।

वित्तीय वर्ष 2020-21 का रिटर्न जमा करने के लिए करदाताओं को सामान्य टैक्स के साथ 5000 रुपये जुर्माना व 25 प्रतिशत अतिरिक्त टैक्स व ब्याज देना होगा। अगर 31 मार्च तक

जमा नहीं किया तो 50 प्रतिशत ज्यादा टैक्स देना होगा। वहीं दूसरी ओर वित्तीय वर्ष 2019-20 के करदाता 5000 रुपये जुर्माना व 50 प्रतिशत ज्यादा टैक्स के साथ रिटर्न जमा कर सकते है। 31 मार्च तक जमा नहीं किया तो वित्तीय वर्ष 2019-20 के करदाता रिटर्न दाखिल नहीं कर सकेंगे।

सरकार ने आधार-पैन की लिंकिंग की अवधि भी 30 जून तक बढ़ा दी है। अब आप जुर्माने के साथ अपने आधार पैन की लिंकिंग 30 जून तक करा सकते है एक अप्रैल से आभूषणों पर हालमार्किंग अनिवार्य होने वाला है। ज्वेलर्स सिर्फ वहीं आभूषण बेच सकेंगे जिस पर छह अंकों का एचयूआइडी नंबर दर्ज होगा। है कि ग्राहक पुराने आभूषणों को बिना हॉलमार्क मार्क के बेच सकेंगे।अगर आप पांच लाख से ज्यादा की सालाना प्रीमियम वाली पालिसी खरीदने वाले है तो ठहर जाइए। एक अप्रैल 2023 से नियम रहा है,इसके तहत पांच लाख रुपये से ज्यादा प्रीमियम वाली बीमा योजना से होने वाली आय पर टैक्स देना होगा। हालांकि इसमें यूलिप प्लान को शामिल नहीं किया गया है।

कुदरगढ़ महोत्सव का रंगारंग समापन

सूरजपुर। धार्मिक, पर्यटन तथा प्राकृतिक महत्व एवं जनआस्था का केन्द्र सूरजपुर अंचल की अधिष्ठात्री देवी मां बागेश्वरी के धाम में तीन दिवसीय कुदरगढ़ महोत्सव का बुधवार की शाम रात विविध सांस्कृतिक कार्यक्रमों के साथ आयोजित महोत्सव का समापन हुआ। महोत्सव के अंतिम दिन सरगुजा क्षेत्र के संजय सुरीला हाय रे सरगुजा नाचे फेम, छत्तीसगढ़ के सुपर स्टार पदमअनुज शर्मा छत्तीसगढ़ी कलाकार ने शानदार गीत, संगीत, भजन, राम सिया राम के भजन, छत्तीसगढ़ी गानों की मनमोहक प्रस्तुति देकर समां बांधे रखा लोगों ने छत्तीसगढ़ी गानों का खूब आनंद लिया। समापन कार्यक्रम में मुख्य अतिथि सरगुजा आदिवासी क्षेत्र विकास प्राधिकरण के अध्यक्ष खेलसाय सिंह, कार्यक्रम के अध्यक्षता कर रहे संसदीय सचिव पारसनाथ राजवाड़े सहित स्थानीय प्रतिनिधियों ने दीप प्रज्वलन एवं राजगीत के साथ प्रारंभ किया। 27 मार्च को कालामांजन के दो व्यक्तियों को बाघिन ने हमला

कर दिया और दो लोगों की मृत्यु हो गई थी। उपस्थित सभी प्रतिनिधियों, अधिकारियों, दर्शकों ने मृत आत्मा की शांति के लिए माता कुदरगढ़ी से प्रार्थना कर दुख शोक संतप्त परिवार के लिए संवेदना प्रकट किए। आकस्मिक घटना घटित होने के कारण तीन दिनों तक चलने वाली कुदरगढ़ महोत्सव दो दिन आयोजित हुआ। सभी प्रतिनिधियों ने विपरीत परिस्थिति के बावजूद कुदरगढ़ महोत्सव के सफ्लतापूर्वक समापन के लिए कुदरगढ़ ट्रस्ट, भटगांव विधायक पारसनाथ राजवाड़े, जिला प्रशासन, पुलिस प्रशासन सहित स्थानीय लोगों के सहयोग की सराहना कर धन्यवाद ज्ञापित किया।चैत्र नवरात्रि के पावन अवसर पर 26 मार्च से प्रारंभ कुदरगढ़ महोत्सव के अंतिम दिन सरगुजा क्षेत्र के ख्याति प्राप्त छत्तीसगढ़ी लोक गायक संजय सुरीला एवं पदमछत्तीसगढ़ी के कलाकार अनुज शर्मा सहित स्थानीय कलाकारों ने अपनी आकर्षक प्रस्तुतियों के माध्यम से दर्शकों को मंत्रमुग्ध कर दिया। इस दौरान भटगांव विधायक एवं संसदीय सचिव पारसनाथ राजवाड़े ने सरगुजा क्षेत्र के सुपरस्टार संजय सुरीला की टीम के साथ संगे संगे नाच लेबो करमां के हुकी जाबो मांदर के ताल में के गाने में थिरके। छत्तीसगढ़ की सुप्रसिद्ध कलाकार पदमअनुज शर्मा ने अपने अंदाज में दर्शकों को खूब हंसाया एवं माया होगे तोर संग, टूरी आइसक्रीम खा के फ्रार होगे जी, शानदार गीत, संगीत, भजन, राम सिया राम के भजन, छत्तीसगढ़ी गानों की मनमोहक प्रस्तुति देकर मन मोह लिया। इस अवसर पर मुख्य अतिथि सरगुजा आदिवासी क्षेत्र विकास प्राधिकरण के अध्यक्ष खेलसाय सिंह ने कहा कि यह महोत्सव स्थानीय स्तर पर नहीं बल्कि राज्य एवं देश में अपना ऐतिहासिक, धार्मिक, पर्यटन पर विशेष स्थान बनाया है। इस महोत्सव के माध्यम से छत्तीसगढ़ की लोककला एवं संस्कृति की एक विशेष पहचान बनाई है। उन्होंने कहा कि कुदरगढ़ महोत्सव स्थानीय एवं क्षेत्रीय कलाकारों को अपनी कला निखारने एवं छिपी कलात्मक क्षमता को उजागर करने का एक अच्छा अवसर एवं मंच प्रदान करता है। वहीं कलाकारों की लोककला एवं छत्तीसगढ़ कला संस्कृति व ऐतिहासिक स्थलों के बारे में उन्हें अवगत होने का एक सुनहरा अवसर मिलता है। संसदीय सचिव पारसनाथ राजवाड़े ने महोत्सव के सफ्ल आयोजन के लिए सभी को बधाई देते हुए कहा कि चैत्र नवरात्रि के अवसर पर आयोजित कुदरगढ़ महोत्सव को भव्य और बेहतर करने के लिए और कार्य किया जाएगा।

मनीषी सिंह ने सिल्वर मेडल जीता

रायपुर। गोवा में 19 मार्च से 26 मार्च तक आयोजित योनेक्स सनराइज 45वीं भारतीय मास्टर्स राष्ट्रीय बैडमिंटन प्रतियोगिता 2022-23 में मनीषी सिंह ने सिल्वर मेडल हासिल कर प्रतियोगिता में शानदार खेल का प्रदर्शन किया। मास्टर्स कैटेगरी में महिला सिंगल्स में मनीषी सिंह का पहला मैच कर्नाटक की निलयगंधनी से हुआ। सीधे सेटों में 21-15, 21-16 से मनीषी ने जीत हासिल की। क्वार्टर फाइनल में तमिलनाडु की खिलाड़ी से खेलते हुए इसमें भी सीधे सेटों में 21-17, 21-18 से जीत दर्ज की।

सेमीफाइनल में असम की खिलाड़ी युपु बोनी को 21-12, 21-15 हरा कर फाइनल में अपनी जगह पक्की कर ली और फाइनल में राजस्थान की हिमानी पुनिया के बीच फाइनल मुकाबला हुआ। इसमें मनीषी सिंह को हार का सामना करना पड़ा। मनीषी का चयन भारतीय टीम में उनके शानदार खेल के प्रदर्शन पर हुआ। मनीषी सिंह अब भारत की ओर से अंतरराष्ट्रीय प्रतियोगिता में साउथ कोरिया के सिओल में भाग लेंगी।

दो वर्ष पुराने पंजीयन वाले बेरोजगारी भत्ते के लिए पात्र:कलेक्टर

आवेदन के लिए कोई अंतिम तिथि नहीं, इत्मीनान से भरें आवेदन

बिलासपुर। जिला रोजगार कार्यालय में दो वर्ष पहले पंजीयन कराने वाले युवाओं को ही बेरोजगारी भत्ते की पात्रता होगी। उन्हें नया पंजीयन कराने अथवा पूर्व में पंजीकृत कार्ड के नवीनीकरण कराने की फिलहाल जरूरत नहीं है। कलेक्टर सौरभकुमार ने बेरोजगारी भत्ते की घोषणा के बाद जिला रोजगार कार्यालयों में अचानक बढ़ी भीड़ के मद्देनजर इस आशय की जानकारी दी है। कलेक्टर ने मुख्यमंत्री की घोषणा के अनुरूप 1 अप्रैल से भत्ता के लिए आवेदन पोर्टल खोले जाने एवं जिले में इसकी तैयारी के लिए वीसी के जरिए बैठक लेकर अफसरों को आवश्यक दिशा-निर्देश जारी किये। कलेक्टर सौरभकुमार ने कहा कि युवाओं को रोजकार कार्यालय में पंजीयन के लिये रोज़गार कार्यालय आने की आवश्यकता नहीं है। ऑनलाइन पंजीयन पोर्टल पर घर बैठे किया जा सकता है. 3 वर्ष पुराने पंजीयन का नवीनीकरण अंतिम तारीख बीत जाने के बाद भी 2 माह के भीतर कभी भी कराया जा सकता है, इसलिये नवीनीकरण के लिये भी किसी प्रकार की जल्दीबाज़ी करने की आवश्यकता नहीं है. बेरोजगारी भत्ते के लिये आवेदन का ऑन-लाइन पोर्टल 1 अप्रैल से खुलेगा। आवेदन करने के लिये रोज़गार कार्यालय आने की आवश्यकता नहीं है. आवेदन किसी भी स्थान से ऑन लाइन पोर्टल पर किया जा सकता है.

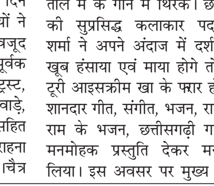

चॉइस सेंटरों पर भी आवेदन किया जा सकता है. इस पोर्टल का यू.आर.एल. है सभी आवेदकों को सलाह दी जाती है कि आवेदन का फार्म भरने के पूर्व वे एक वर्ष के भीतर का आय प्रमाणपत्र, मूल निवासी प्रमाणपत्र, कक्षा दसवीं की मार्कशीट या प्रमाणपत्र जिसमें जन्मतिथि लिखी हो, कक्षा 12 वीं की मार्क शीट या प्रमाणपत्र, आधार कार्ड, पासपोर्ट साइज फोटो एवं रोज़गार पंजीयन कार्ड तैयार रखें क्योंकि यह दस्तावेज़ आवेदन फार्म में अपलोड करने होंगे। कलेक्टर ने बताया कि आवेदन के बाद सभी आवेदकों के दस्तावेज़ों के भौतिक सत्यापन के लिये पहले से समय देकर बुलाया जायेगा. ग्रामीण क्षेत्रों में 3-5 पंचायतों, तथा नगरीय क्षेत्रों में 3-4 वार्डों के समूह के क्लस्टर बनाये जायेंगे दस्तावेज़ों का सत्यापन इन क्लस्टरों में किया जायेगा, जिससे किसी भी आवेदक को दस्तावेज़ सत्यापन के लिये अपने घर से दूर न जाना पड़े. सत्यापन स्थल पर आवेदकों के बैठने, आदि की अच्छी व्यवस्था होगी. सत्यापन के लिये पर्याप्त संख्या में अधिकारियों की टीमें भी उपलब्ध रहेंगी. आवेदन पत्र में आवेदक के बैंक खाते की जानकारी ली जा रही है, जिसका सत्यापन बैंक मेनेजर से कराने के बाद बेरोज़गारी भत्ते की राशि आवेदक के बैंक खाते में प्रतिमाह सीधे भेजी जायेगी। आवेदक कृपया ध्यान रखकर अपने बैंक खाते की सही जानकारी भरें, जिससे उन्हें बेरोजगारी भत्ता मिलने में कोई कठिनाई न हो। आवेदक को अपने ही बैंक खाते की जानकारी भरनी है, किसी अन्य व्यक्ति के बैंक खाते की नहीं, अन्यथा बैंक मेनेजर सत्यापन के समय बैंक खाते को गलत बतायेगा और बेरोज़गारी भत्ते की राशि उस खाते में अंतरित नहीं होगी। बेरोजगारी भत्ते के आवेदन के लिये कोई अंतिम तिथि नहीं है, इसलिये किसी भी व्यक्ति को हड़बड़ी करने की आवश्यकता नहीं है। बेरोज़गारी भत्ते के आवेदन का पोर्टल लगातार खुला रहेगा, और आवेदक किसी भी दिन किसी भी समय ऑन लाइन आवेदन कर सकेंगे। राज्य सरकार सभी पात्र व्यक्तियों को बेरोज़गारी भत्ता देने के लिये कृतसंकल्पित है।

कांग्रेस करेगी जय भारत सत्याग्रह, आज रैली

रायपुर। कांग्रेस ने जय भारत सत्याग्रह के लिए नौ सदस्यीय कमेटी की घोषणा कर दी है। वरिष्ठ विधायक और पूर्व मंत्री सत्यनारायण शर्मा को प्रभारी और पूर्व विधायक गुरुमुख सिंह होरा को संयोजक बनाया गया है। कमेटी में राजेंद्र तिवारी, प्रतिमा चंद्राकर, सुमित्रा घृतलहरे, अटल श्रीवास्तव, देवचंद्र मातलम, सुशील आनंद शुक्ला और अजय साहू को सदस्य बनाया गया है।

प्रदेश महामंत्री रवि घोष ने बताया कि राहुल गांधी के मामले को लेकर कांग्रेस जय भारत सत्याग्रह का आयोजन कर रही है। इसमें एक महीने तक प्रदेश स्तर से लेकर ब्लाक स्तर पर कार्यक्रम का आयोजन किया जाएगा। 31 मार्च को जय भारत मशाल सत्याग्रह का आयोजन किया गया है। इसका प्रभारी विधायक देवेंद्र यादव को बनाया गया है। मशाल सत्याग्रह में सभी मोर्चा-प्रकोष्ठ के पदाधिकारी, प्रदेश अध्यक्ष, शहर अध्यक्ष और ब्लाक अध्यक्ष शामिल होंगे। यह रैली शहर, ब्लाक और गांव के ऐतिहासिक स्थलों के पास होगी। इसके साथ ही 11 सदस्यीय कंट्रोल रूम प्रभारियों की नियुक्ति की गई है इसमें सरगुजा का प्रभारी निवेदिता चटर्जी, रायगढ़ का दिसेश चटर्जी, जांजगीर का चंद्रवती साहू, कोरबा का गीता सिंह, बिलासपुर का प्रेमलता बंजारे, राजनांदगांव का दिनेश निर्मलकर को प्रभारी बनाया गया है। इसके साथ ही रायपुर का प्रेरणा साहू, दुर्ग का पल्लवी सिंह, महासमुंद का पूजा देवांगन, बस्तर का रेहान खान और कांकेर का प्रभारी महमूद अली को बनाया गया है।

प्रमं ग्राम सड़क योजना से गाँव के लोगों का जीवन खुशहाल

केवल तीन वर्षों में बनी 9,675 किमी सड़क: भाजपा

प्रधानमंत्री मोदी ने भाजपा प्रदेश अध्यक्ष व सांसद अरुण साव के ट्वीट को रिट्वीट कर कहा - छत्तीसगढ़ के लोगों की इस खुशी में पूरा देश शामिल है

रायपुर। भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष और सांसद अरुण साव ने कहा है कि प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना के तहत वर्ष 2019-2020 में 1,952 किलोमीटर, वर्ष 2020-2021 में 4,689 किमी और वर्ष 2021-2022 में 3,034 किमी सड़कें बनी हैं। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में छत्तीसगढ़ में केवल तीन वर्षों में 9,675 किमी 1190 सड़कों का काम पूरा हुआ है, साथ ही 145 पुल भी बनाए गए हैं। प्रदेश में इस वक्त 2,375 किमी की 542 सड़कों और 184 पुलों का काम चल रहा है। श्री साव ने कहा कि गाँवों के जीवन में सार्थक परिवर्तन लाने का एक बड़ा माध्यम प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना है। पूर्व प्रधानमंत्री भारत रत्न स्व. अटलबिहारी वाजपेयी के कार्यकाल में प्रमं ग्राम सड़क योजना की शुरुआत हुई जिससे गाँव, गरीब, किसान की तरक्की हुई और गाँव के लोगों के जीवन में बड़ा सकारात्मक परिवर्तन आया है।

भाजपा प्रदेश अध्यक्ष श्री साव ने बिलासपुर जिले के कछार से पेण्डरबेरा वाया चुनकवाँ मार्ग के हाल ही हुए उन्नयन से लाभान्वित ग्रामों के ग्रामीणों की सकारात्मक प्रतिक्रया की चर्चा करते हुए कहा कि इस सड़क का उन्नयन होने के बाद इन ग्रामीणों का जीवन आसान हुआ है। श्री साव ने ग्राम पेण्डरबेरा निवासी जनकराम की प्रसन्नता का जिक्र करते हुए कहा कि जनकराम ने एक वीडियो बनाकर अपनी खुशी का इजहार किया और कहा कि इससे पेण्डरबेरा समेत चार गाँवों के लोगों की बरसों की मुराद पूरी हुई है। जनकराम ने कहा, 'मेरे खेत तक सड़क पहुँच गई है।' जनकराम का यह वीडियो भाजपा प्रदेश अध्यक्ष श्री साव ने ट्वीट किया और कहा कि प्रमं ग्राम सड़क योजना के अंतर्गत गाँवों में रहने वाला भारत सड़क क्रांति का साक्षी बन रहा है। जनकराम का यह वीडियो जब प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी तक पहुँचा तो प्रधानमंत्री श्री मोदी ने श्री साव के ट्वीट को रिट्वीट करते हुए कहा, 'छत्तीसगढ़ के बिलासपुर के इन लोगों की खुशी में पूरा देश शामिल है। प्रमं ग्राम सड़क योजना की ऐसी उपलब्धियाँ काफी उत्साहित करने वाली हैं।' श्री साव ने प्रधानमंत्री श्री मोदी के प्रति धन्यवाद ज्ञापित कर कहा कि प्रधानमंत्री श्री मोदी का एक सामान्य ग्रामवासी की खुशी में शामिल होना उनके इस देश के गाँव-गाँव के व्यक्ति से गहरा नाता दर्शाता है।

श्री साव ने कहा कि बिलासपुर जिले के बेलतरा विधानसभा क्षेत्र में कछार से पेण्डरवा वाया चुनकवाँ मार्ग के उन्नयन से ग्रामीणों को रोजमर्रा की तकलीफों से निजात मिली है। इस सड़क के उन्नयन के लिए क्षेत्र के भाजपा विधायक रजनीश सिंह के सतत प्रयासों की भी श्री साव ने सराहना की।

कांग्रेस राज में हो रहा पत्रकारों का उत्पीड़न-लता

रायपुर। भारतीय जनता पार्टी राष्ट्रीय कार्यसमिति सदस्य.लता उसेण्डी ने कहा है कि कोण्डागाँव के पत्रकार विश्वजीत मलिक के साथ माकड़ी में कांग्रेस के जिला उपाध्यक्ष के अलावा प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष मोहन मरकाम के करीबी व कांग्रेस प्रदेश कार्यसमिति सदस्य राम कश्यप और गुंडों को साथ लेकर नाली निर्माण में हुई अनियमितता की खबर छपने से बौखलाए ठेकेदार द्वारा की गई मारपीट ने प्रदेश सरकार के पत्रकार सुरक्षा कानून की हवा निकाल दी है। सुश्री उसेंडी ने कहा कि यह बेहद अफसोस की बात है कि छत्तीसगढ़ में लोकतंत्र की दुहाई देने वाली कांग्रेस की प्रदेश सरकार की नाक के नीचे लोकतंत्र का चौथा स्तम्भ ही खतरे में है। भाजपा राष्ट्रीय कार्यसमिति सदस्य सुश्री उसेंडी कहा कि प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष मरकाम के विधानसभा क्षेत्र में जिस तरह एक पत्रकार के साथ कांग्रेस के कार्यकर्ता के द्वारा लोगों को उकसाकर मारपीट की वारदात कराई गई है। सुश्री उसेंडी ने कहा कि कांग्रेस की प्रदेश सरकार द्वारा पत्रकार सुरक्षा कानून पारित करने के कुछ ही दिनों में कांग्रेस के एक जिला पदाधिकारी ने अपनी ही सरकार के इस कानून को सरेआम एक पत्रकार की सरेआम बेदम पिटाई करके पलीती लगाने में देर नहीं की! कोण्डागाँव विधानसभा क्षेत्र में पत्रकार सुरक्षा कानून की उड़ती धज्जियाँ इस कानून और प्रदेश सरकार की असलियत को सामने ला रही है। सुश्री उसेंडी ने कहा कि प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष मोहन मरकाम के कोंडागाँव विधानसभा क्षेत्र में इस तरह की यह कोई पहली वारदात नहीं है। इससे पहले भी पत्रकारों के साथ दुर्व्यवहार तथा धमकी देने का सिलसिला चलता रहा है। भाजपा राष्ट्रीय कार्यसमिति सदस्य सुश्री उसेण्डी ने कहा कि नाली निर्माण में अनियमितता की खबर प्रकाशन के तकरीबन सप्ताहभर बाद कोंडागांव निवासी पत्रकार विश्वजीत मलिक के ऊपर ठेकेदार के गुंडों द्वारा सोमवार को माकड़ी में मारपीट के दौरान पत्रकार जब अपनी जान बचाने जनपद पंचायत कार्यालय परिसर में स्थित शिक्षा विभाग के कार्यालय में घुसा तो ठेकेदार के गुंडों ने पत्रकार को कमरे से निकाल कार्यालय के सामने लात-घूँसों से जमकर पीटा और पत्रकार का मोबाइल जमीन पर पटककर तोड़ दिया। इसकी शिकायत पत्रकार मलिक ने माकड़ी पुलिस में दर्ज कराई है लेकिन सीसीटीवी फुटेज में कैद मारपीट की इस वारदात के आरोपियों पर सत्तारूढ़ दल के राजनीतिक संरक्षण के चलते कोई कार्रवाई नहीं अब तक नहीं की गई है और आरोपी खुलेआम घूम रहे हैं।

ऑफ ट्रेक

प्रफुल्ल पारे

न दैन्यं न पलायनं

जब से कांग्रेस नेता राहुल गाँधी की लोकसभा सदस्यता ख़त्म हुई है तभी से पूरी कांग्रेस राहुल गाँधी को न दैन्यं न पलायनं वाली मुद्रा में पेश करने में जुट गई है. तस्वीर ऐसी खींची जा रही है कि देश की राजनीतिक महाभारत के वे अर्जुन हैं और अब वे न दीनता दिखाएंगे न पलायन करेंगे अर्थात केवल युद्ध करेंगे। अच्छी बात है ऐसा होना भी चाहिए. महाभारत में अर्जुन के साथ श्रीकृष्ण थे जो नेपथ्य में पाण्डवों की विजय के लिए सारी रणनीति बनाते थे. पिछले दिनों राहुल गाँधी ने खुद को और कांग्रेस को पांडव बताया था और भाजपा की तुलना कौरवों से कर दी थी.. इसलिए यह पूछना तो बनता है कि आपके रथ का सारथी श्रीकृष्ण कहाँ है और कौन है.. ??? यहाँ सारथी के शाब्दिक अर्थ रथ को चलाने वाले पर मत जाइए, यहाँ सारथी का मतलब है सलाहकार.. क्योंकि पूरी महाभारत और गीताज्ञान की केंद्रीय भूमिका में श्रीकृष्ण थे.. तो राहुल जी अगर आपकी पार्टी पांडव है तो युद्धभूमि में आपका सारथी श्रीकृष्ण कहाँ है.. अपनी पार्टी को पांडव मात्र बोल देने से आप महाभारत थोड़ी ही जीत जाएंगे आपको एक अदद श्रीकृष्ण की जरुरत भी होगी.. बीते कुछ समय में आपके और आपकी पांडव पार्टी के साथ जो हो रहा है उसे देखकर तो यही लग रहा है कि अभी भी आपके पास श्रीकृष्ण जैसा सारथी नहीं है.. कौरव, पांडव और महाभारत की चर्चा राहुल गाँधी ने खुद शुरू की थी इसलिए उन्हें पता होना चाहिए कि पांडवों ने श्रीकृष्ण को अपना सलाहकार बनाया था जिन्होंने हर छोटे और बड़े अवसर पर पांडवों को धर्मयुद्ध को ज्ञान दिया लेकिन आपके सारथी तो मद्रराज शल्य की भूमिका में हैं, पांडव पुत्र नकुल और सहदेव की मां माद्री के भाई थे मद्रराज शल्य जो महाभारत में अंगराज कर्ण के सारथी थे और पूरे युद्ध के दौरान उन्होंने कर्ण का हौसला पस्त करने का कोई मौका नहीं छोड़ा। सोचिए कि मानहानि के मामले में दोषी पाए जाने के बाद अदालत ने राहुल जी को दो साल की सजा सुनाई और अपील करने के लिए एक माह का समय दिया, करीब एक हफ्ता बीत चुका है लेकिन अभी यह स्पष्ट नहीं हुआ है कि उनकी पार्टी सजा के खिलाफ ऊपरी अदालत में जाएगी या अपने अर्जुन को कारावास के लिए छोड़ देगी। यह युद्ध अपने अर्जुन की सजा पर रोक लगवाकर लड़ना है? या उन्हें कारावास में रखकर ?? फिलहाल तो कुछ साफ़ नहीं है लेकिन यह तय मानिए कि कांग्रेस इस सजा के खिलाफ ऊपरी अदालत में जाएगी, राहुल गाँधी की लोकसभा में वापसी भी होगी और कांग्रेस का गांडीव भी वही उठाएंगे क्योंकि सजा वाले विकल्प को आजमाने का जोखिम कांग्रेस नहीं उठा सकती.. बहरहाल, राजनीति में हर राजनीतिक दल संक्रमण के दौर से गुजरता है कांग्रेस भी गुजर रही है लेकिन सवाल इसलिए उठ रहे हैं क्योंकि कांग्रेस इस संक्रमण से निकलती हुई नहीं दिख रही है.. और उनके नेता राहुल जी बात महाभारत और कौरव.. पांडव की करते हैं.. तो उन्हें यह भी पता होना चाहिए कि युद्ध के पहले कौरव.. पांडव ने अपने अपने पक्ष की सेना तैयार कर ली थी परन्तु आपका गठबंधन अभी कहाँ है.. आपके अश्वमेघ के घोड़े को दूसरे दल हार पहनाने की बजाय पूंछ उमेठ कर खदेड़ दे रहे हैं.. पहले आपके सारथियों ने आपको सावरकर के खिलाफ आक्रामक तेवर दिखाने की सलाह दी,आप उस पर चले भी और कहा कि आप सावरकर की तरह माफ़ी नहीं मांगेंगे लेकिन आपके सहयोगी उद्धव ठाकरे के एतराज ने आपको सावरकर मसले पर समझौता करने के लिए विवश कर दिया आपने सारे सावरकर विरोधी ट्वीट हटा दिए और लोकसभा के एक बंद कमरे में सोनिया गाँधी की मौजूदगी में आपने शिवसेना उद्धव गट के नेता संजय राउत को भरोसा भी दिया है कि सावरकर पर सम्हलकर बोलेंगे। इसके बाद भी आप पांडव हो... ऊपर से तुर्रा न दैन्यं न पलायनम।

कोई तो लगा रहा है वाट

देश की सबसे पुरानी पार्टी कांग्रेस के सबसे नौजवान नेता राहुल गांधी को स्थापित होने से कोई तो है जो रोक रहा है और ये प्रतिरोधक बाहर से नहीं भीतर से ही कोई है. पुरे सोशल मिडिया में और हर जगह राहुल गाँधी पर कभी मजाक बनाया जाता है तो कभी उन पर देशद्रोह जैसे गंभीर आरोप भी लगते हैं.. हाल ही में गुजरात की एक अदालत ने मानहानि के मामले में उन्हें सजा सुना दी और उनकी सांसदी चली गई आनन फानन में घर खाली करने का नोटिस भी आ गया.. कांग्रेस भाजपा को इसके लिए दोष दे रही है. अब भाजपा क्यों चाहेगी कि राहुल गाँधी को किसी भी प्रकार की सहानुभूति मिले.. एक बात और राहुल गाँधी संसद में नहीं रहते हैं, सजा के खिलाफ ऊपरी अदालत में नहीं जाते हैं तो उन्हें जेल हो जाएगी, ऐसे में कांग्रेस किसी को तो आगे लाएगी जो जनता के बीच जाकर राहुल गाँधी पर हुए जुल्म के खिलाफ सहानुभूति बटोरेगा और वो निश्चित रूप से गाँधी परिवार का सदस्य होगा। विचार करके देखिये कि विपक्ष की अधिकांश पार्टियों ने राहुल को प्रधानमंत्री का उम्मीदवार मानने से इंकार कर दिया है कांग्रेस के अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे भी कह रहे हैं कि पहले चुनाव लड़ लो पीएम पर बाद में सोच लेंगे। मतलब राहुल गाँधी को इस रेस से बाहर करने का प्लान भीतर से बन रहा है. एक समय में कांग्रेस में उनके वफादार और मित्र रहे साथी एक एक करके ठिकाने लगा दिए गए.. जैसे ज्योतिरादित्य सिंधिया, सचिन पायलट, जतिन प्रसाद। ज्योतिरादित्य को निपटाने के लिए उन्हें बीच चुनाव में आधे उत्तर प्रदेश का प्रभारी बना दिया गया जिसके चलते सिंधिया अपने ही गढ़ में हार गए.. इसके बाद क्या हुआ सबको पता है.. फिर सचिन पायलट फिर जतिन प्रसाद सब के सब किनारे क्यों लगा दिए गए.. अब कोई खुलकर तो यह नहीं कह सकता कि राहुल जी कांग्रेस आपके चलते पचास से ज्यादा चुनाव हार चुकी है अब बख्शो,,दरअसल, राहुल गाँधी से भाजपा को फायदा मिलता है इसलिए भाजपा राहुल को राजनीती में न मरने देगी न मोटाने देगी.. यह बात गांधी परिवार में किसी को तो समझ में आ रही है और वही राहुल गांधी की राजनीति को ख़त्म करने की चाल सावधानी से चल रहा है जिससे राहुल खुद अनभिज्ञ हैं.. सूरत कोर्ट के फैसले के बाद कांग्रेस का रवैया भाजपा के लिए और अन्य विपक्षी दलों के लिए चिंता का विषय बन सकता है..अगर कांग्रेस ने ऊपरी अदालत में अपील नहीं की तो वह चेहरा इसी महीने सामने आ जायेगा।

प्रवर्तन निदेशालय का फरमान

चुनाव से पहले छत्तीसगढ़ में प्रवर्तन निदेशालय यानि ई डी की सक्रियता बढ़ गई है उसने कोल मामले पर बड़ी कार्रवाई के बाद एक बार फिर भूपेश बघेल के सहयोगियों पर कार्रवाई की है. ई डी ने राज्य की भूपेश सरकार से कहा है कि वह जेल में बंद अपनी डिप्टी सेकेट्री सौम्या चौरसिया और आई ए एस अधिकारी समीर विश्नोई के खिलाफ भ्रटाचार निवारण अधिनियम के तहत प्रकरण दर्ज कर कार्रवाई करे. प्रवर्तन निदेशालय ने अपने पत्र में कोयला घोटाले में इन अधिकारियों की भूमिका को महत्वपूर्ण बताया है. अब ई डी प्रदेश में शराब लॉबी पर भी शिकंजा कसती जा रही है. प्रवर्तन निदेशालय की करवाई से मुख्यमंत्री भूपेश बघेल खासे नाराज हैं उन्होंने तो यहाँ तक कह दिया कि जी राज्यों में भाजपा की सरकार है वहां प्रवर्तन निदेशालय का कार्यालय ही नहीं है.विगत दो महीने में प्रधान मंत्री नरेंद्र मोदी से भूपेश बघेल की लगातार दो बार हुई मुलाकात को बहुत सकारात्मक नजरिये से देखा जा रहा था लेकिन फिर प्रवर्तन निदेशालय की कार्रवाई ने केंद्र और राज्य के संबंधों को जटिल बना दिया है. अब कांग्रेस के नेता और कार्यकर्त्ता प्रवर्तन निदेशालय का खुलकर विरोध करने लगे हैं।

छत्तीसगढ़/राजधानी प्रमुख समाचार

भाजपा को ओबीसी वर्ग की नहीं बल्कि अडानी की चिंता

रायपुर। प्रदेश कांग्रेस प्रवक्ता धनंजय सिंह ठाकुर ने कहा कि भाजपा को ओबीसी वर्ग की चिंता नहीं है बल्कि अडानी की हेरा फेरी से देश की जनता का ध्यान कैसे भटकाये और अडानी मामले की जांच से कैसे बचें इसकी चिंता है? अरुण साव को वास्तविक में ओबीसी वर्ग की चिंता होती ओबीसी वर्ग के मान सम्मान का ख्याल होता तो राजभवन जाकर 76 प्रतिशत आरक्षण बिल पर हस्ताक्षर करने दबाव बनाते। उक्त बिल में ओबीसी वर्ग को 27 प्रतिशत आरक्षण दिया गया है जिसे भाजपा के नेता राजनीतिक स्वार्थ के चलते राजभवन के पीछे खड़े होकर बिल को रुकवाये हुये हैं। प्रदेश कांग्रेस प्रवक्ता धनंजय सिंह ठाकुर ने कहा कि 15 साल तक छत्तीसगढ़ में भाजपा की सरकार थी लेकिन ओबीसी वर्ग को उचित प्रतिनिधित्व का अधिकार नहीं दिया गया बल्कि भाजपा हमेशा से आरक्षित वर्ग को दबाने का षड्यंत्र किया है उनके नेतृत्व को खत्म करने की साजिश की है भाजपा को वोट लेने समय ही आरक्षित वर्ग ख्याल आता है लेकिन भाजपा के शासनकाल में आरक्षित वर्ग को उनका अधिकार नहीं मिलता रहा है आज सत्ता जाने के बाद जिस प्रकार से भारतीय जनता पार्टी ओबीसी एससी एसटी वर्ग बात कर रही है।

भाजपा नेताओं के यहां ईडी कब छापा मारेगी - कांग्रेस

रायपुर। प्रदेश कांग्रेस संचार विभाग के अध्यक्ष सुशील आनंद शुक्ला ने कहा कि ईडी की कार्यवाही और कार्यप्रणाली दोनों लगातार सवालों के घेरे में रहती है। ईडी बतायें कि पिछले 8 साल में कितने भाजपा और भाजपा के सहयोगी दलों के लोगों के यहां छापे की कार्यवाही की गयी? देश में सारी अनियमितता विरोधी दल के लोग ही कर रहे है, भाजपा और उसके सहयोगी दल के नेता दूध के धुले हुए है? ईडी, आईटी और भाजपा का जो नापाक गठबंधन देशभर में दिख रहा, लोग जानना चाहते है ये रिश्ता क्या कहलाता है? 8 सालो में 6000 छापे मारने वाली ईडी सिर्फ 23 मामलों में ही सबूत दे पाई है मतलब ईडी सिर्फ भाजपा के विरोधियों की छवि खराब करने का काम कर रही। कांग्रेस प्रवर्तन निदेशालय के अधिकारियों से पूछा है कि छत्तीसगढ़ के भाजपा नेताओं के यहां छापेमारी की कार्यवाही कब से की जायेगी। प्रदेश कांग्रेस संचार विभाग के अध्यक्ष सुशील आनंद शुक्ला ने कहा कि छत्तीसगढ़ में 15 साल के सरकार में भाजपा के अनेक नेता फर्श से अर्श पर पहुंच गये। कुछ भाजपा के ऐसे नेता है जो भाजपा की सरकार बनने के पहले खटारा यामहा मोटर सायकल पर चला करते थे। 15 साल मंत्री रहे उनकी संपत्ति हजारो करोड़ो रूपयो में पहुंच गयी।

बढ़ती महंगाई बेराजगारी भुखमारी मोदी की देन-मरकाम

रायपुर। प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष मोहन मरकाम ने देश में बढ़ती बेरोजगारी और महंगाई पर चिंता व्यक्त करते हुये कहा कि महंगी गैस, महंगा तेल, थोक और खुदरा महंगाई आजादी के बाद सर्वोच्च शिखर पर है, सिर्फ सत्ता की भूख में मोदी सरकार आम जनता की कमर तोड़ रही है, फिर भी महंगाई से देशवासियों को लूटने का कोई भी अवसर नहीं छोड़ रही है। पेट्रोल-डीजल 100 के पार, रसोई गैस 1100, खाने का तेल 200 के पार। आम जनता बेबस और लाचार है पर मोदी सरकार केवल अपने चांद पूंजीपति मित्रों के मुनाफे की सोच रही है। मोदी सरकार ने पेट्रोल पर एक्साइज ड्यूटी विगत 7 साल में 258 परसेंट बढ़ाया है और डीजल पर 820 प्रतिशत की बढ़ोतरी की गई है। इन तमाम आंकड़ों के बावजूद मोदी सरकार द्वारा महंगाई को झूठलाया जाना यह प्रदर्शित करता है कि महंगाई को काबू करना मोदी सरकार के बस में नहीं है। प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष मोहन मरकाम ने कहा है कि चालू वित्तीय वर्ष में चार बार रेपो रेट बढ़ाना यह प्रमाणित करता है कि मोदी सरकार महंगाई को नियंत्रित करने में पूरी तरह नाकाम रही है। 100 दिन में महंगाई कम करने का झांसा देकर केंद्र में बैठी मोदी सरकार ने अब जनता के प्रति जवाबदेही से मुंह मोड़ लिया है।

कांग्रेस का तथाकथित सत्याग्रह देश के लिए नही गांधी परिवार के लिए है: चिमनानी

रायपुर। कांग्रेस के आगामी अभियान ,निगरानी समिति,मशाल रैली, कंट्रोल रुम, शांति मार्च,सत्याग्रह के कार्यक्रमों पर प्रतिक्रिया देते हुए भाजपा प्रदेश मीडिया प्रभारी अमित चिमनानी ने कहा कांग्रेस अब जनता से नाता तोड चुकी है उनकी प्राथमिकता केवल राहुल गांधी का राजनितिक करियर बचाना है कांग्रेस के सारे अभियान ,आंदोलन ,संसाधन केवल और केवल राहुल गांधी के लिए ही हैं अफसोस की बात है कि वह जो सत्याग्रह कर रहे हैं वह देश कि लिए नहीं राहुल गांधी की लिए है। भाजपा के प्रदेश मीडिया प्रभारी अमित चिमनानी ने कहा कि कांग्रेस राज में पूरे छत्तीसगढ़ में जो निराशा रूपी अंधेरा छाया हुआ है अच्छा होता उसे दूर करने के लिए कांग्रेस द्वारा मशाल रैली निकाली जाती ,कांग्रेस राज में जो प्रदेश भ्रष्टाचार में आकंठ डूब चुका है अच्छा होता उसकी निगरानी के लिए कांग्रेस द्वारा निगरानी समिति बनाई जाती, अच्छा होता कांग्रेस राज में अपराधियों ने जो आतंक मचा रखा है उसे रोकने, कंट्रोल करने के लिए कांग्रेस द्वारा कंट्रोल रूम बनाए जाते , पूरे देश से नक्सलवाद समाप्त हो चुका है लेकिन छत्तीसगढ़ में कांग्रेस के शासन में कांग्रेस की बदनीयती की वजह से नक्सलियों का जो तांडव चल रहा है अच्छा होता उसके खिलाफ कांग्रेस का शांति मार्च होता, लेकिन निगरानी समिति, सत्याग्रह, कंट्रोल रूम, शांति मार्च, कुछ भी जनता या उनकी समस्याओं के लिए नही बल्कि राहुल गांधी के लिए है।

प्रभु राम सबके, धर्म के आधार पर देश को बांटती है कांग्रेस - बृजमोहन

रायपुर। पूर्व मंत्री एवं विधायक बृजमोहन अग्रवाल ने कहा कि कांग्रेस का काम ही रहा है धर्म के आधार पर लोगों को बांटना. रहीं बात प्रभु की तो श्री राम हर किसी के है. उनको बांटने का अर्थ देश को बांटने जैसा है. मर्यादाओं मे रहकर कर्म करने वालों के साथ उनका आशीर्वाद सदा से ही रहते आया. जिस कांग्रेस सरकार ने प्रभु राम को काल्पनिक कहा, जिन्होंने सुप्रीम कोर्ट में हलफनामा देकर उनके अस्तित्व को चुनौती देने जैसा कृत्य किया था आज उनके मुह मे राम बग़ल मे छुरी है. बृजमोहन ने कहा कि दुनिया देख रही है कि प्रभु राम की जन्म स्थली अयोध्या मे भव्य मंदिर का निर्माण का मार्ग किनके प्रयासों से अग्रसर हुआ है. काशी विश्वनाथ धाम, महाकालेश्वर उज्जैन, सोमनाथ मंदिर के जीर्णोद्धार का दायित्व श्रीराम ने किनको सौंपा है. प्रभु श्रीराम न्याय के साथ कार्य करने वालों के साथ होते है. अन्यायी, अत्याचारी और शोषण करने वालों का नाश करने का कार्य प्रभु राम करते है. बृजमोहन ने कहा कि मां कौशल्या की जन्मभूमि मे उनके धाम की पहचान और विकास की शुरुआत भारतीय जनता पार्टी सरकार के दौरान ही हुई. श्री राम वन गमन की पहचान भी भाजपा ने की और विकास कार्य भी आगे बढ़ाया. ये कांग्रेस सरकार 6 करोड़ रुपए मे माता कौशल्या धाम बनाते है और 12 करोड़ इवेंट कंपनी को देते है।

अनूठी परम्परा, रामनवमी पर भांजे को देते हैं मटका और फल उपहार

गौरेला पेंड्रा मरवाही। छत्तीसगढ़ में रामनवमी से लेकर अक्षय तृतीया तक ग्रामीण एक अनूठी परम्परा निभाते हैं. यहां मामा अपने भांजे को मिट्टी का मटका गिफ्ट करते हैं. कहते हैं कि अगर भांजा इस मटका में पानी भर कर पीता है तो मामा को काफी पुण्य मिलता है. छत्तीसगढ़ के आदिवासी ग्रामीण इलाकों में ये परम्परा कई सालों से चली आ रही है. इस बार भी गौरेला पेंड्रा मरवाही जिले के सड़कों पर लोग मटका खरीदते और ले जाते नजर आए. इस दिन मटके के साथ मामा भांजे को फल भी देते हैं. खासकर मामा आम का सीजन होने के कारण आम देते हैं. ये फल और मटके का पानी अगर भांजा पी ले तो मामा को बड़ा पुण्य मिलता है. ग्रामीणों के मुताबिक ये काफी पुरानी परम्परा है, जिसे लोग आज भी निभा रहे हैं. ये मटका और फल देने की प्रथा रामनवमी से लेकर अक्षय तृतीया के बीच कभी भी की जा सकती है।

भक्ति, ज्ञान और शक्ति के समुच्चय हैं श्री हनुमान- मुख्यमंत्री

हनुमान चालीसा महापाठ कार्यक्रम में शामिल हुए मुख्यमंत्री

रायपुर। मुख्यमंत्री श्री भूपेश बघेलमुख्यमंत्री श्री भूपेश बघेल मुख्यमंत्री श्री भूपेश बघेल आज शाम यहां राजधानी रायपुर के बलवीर सिंह जुनेजा इंडोर स्टेडियम परिसर में श्री हनुमान महापाठ समिति तथा जीवन प्रबंधन समूह रायपुर द्वारा आयोजित श्री हनुमान चालीसा महापाठ कार्यक्रम में शामिल हुए। इस अवसर पर मुख्यमंत्री ने उपस्थित सभी हनुमान भक्तों के साथ हनुमान चालीसा का पाठ किया। कार्यक्रम में मुख्यमंत्री श्री बघेल ने पंडित विजयशंकर मेहता द्वारा सफलता की दौड़-परिवार मत तोड़ विषय पर व्याख्यान का श्रवण किया।

इस अवसर पर मुख्यमंत्री श्री बघेल ने कहा कि आज रामनवमी है और आज का दिन बहुत पावन है। उन्होंने कहा कि श्री हनुमान भक्ति, ज्ञान और शक्ति के समुच्चय हैं, उनसे बड़ा कोई योगी, भक्त, ज्ञानी या बलशाली और कोई नहीं हैं। मुख्यमंत्री श्री बघेल ने कहा कि हनुमान जी जैसा चरित्र शायद ही किसी वेद, पुराण या ग्रंथ में मिले। मुख्यमंत्री ने सभी को रामनवमी की बधाई एवं शुभकामनाएं देते हुए इस आयोजन के लिए आयोजन समिति को भी बधाई दी। मुख्यमंत्री ने इस अवसर पर हनुमान चालीसा का वाचन कर रहे पंडित विजय शंकर मेहता को विशेष धन्यवाद दिया।

इस अवसर पर सांसद श्री सुनील सोनी, विधायक श्री बृजमोहन अग्रवाल, राज्य गौ सेवा आयोग के अध्यक्ष महंत श्री रामसुंदर दास, शदाणी दरबार के पीठाधीश्वर महंत श्री युधिष्ठिर लाल, रायपुर नगर निगम के सभापति श्री प्रमोद शर्मा, छत्तीसगढ़ योग आयोग के अध्यक्ष श्री ज्ञानेश शर्मा, वरिष्ठ पत्रकार श्री हिमांशु द्विवेदी सहित श्री हनुमान महापाठ समिति से श्री विजय अग्रवाल, श्री योगेश अग्रवाल, श्री मुकेश शाह श्री मोहन पवार सहित अनेक सदस्य उपस्थित रहे।

आर.एन.आई.रजि. क्र. CHHHIN/2021/80529, स्वत्वाधिकारी, मुद्रक एवं प्रकाशक- शशांक शर्मा द्वारा मिशन मीडिया प्रा. लि., प्रेस कॉम्प्लेक्स, रजबंधा मैदान, रायपुर (छ.ग.) 492001 से मुद्रित एवं 29/1110, सेवती स्मृति, आजाद चौक, रायपुर (छ.ग.) 492001 से प्रकाशित। संपादक-शशांक शर्मा, मो. 94255-20531.